साप्ताहिक
रीवा, सीधी, सतना, शहडोल एवं भोपाल से एक साथ प्रसारित

रीवा का तेजी से बढ़ता लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

जन-जन की आवाज

मिसिरगवां न्यूज

डाक.पंजी.स.म.प्र./रीवा संभाग 44/2020/2019/2021
RNI-MP HIN/2018/77400

प्रधान संपादक-: हरिनाथ पटेल मो. 9424933585

वर्ष : 06 अंक : 10 | रीवा, सोमवार 06 मार्च से 12 मार्च-2023 | पृष्ठ : 08, मूल्य 05 रुपये

इस्लाम के खिलाफ नहीं है योग...

● दुनिया को संदेश देने जा रहा यह मुस्लिम देश ● सऊदी अरब में स्पेशल योगा क्लासेज

● हर यूनिवर्सिटी कैम्पस में योगा क्लासेज लगेंगी, इसके लिए नया सिलेबस भी तैयार

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब की हर यूनिवर्सिटी में अब योगा क्लासेज लगेंगी। इसके लिए स्पेशल सिलेबस भी तैयार कर लिया गया है। सऊदी सरकार इसके लिए पहले ही कमेटी बना चुकी थी। ये कमेटी पहले ही काफी एक्टिव है, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है।

सऊदी सरकार ने कुछ महीने पहले कहा था कि योग से माइंड और बॉडी का बैलेंस बेहतर किया जा सकता है और इसलिए इसे स्कूल और यूनिवर्सिटीज के सिलेबस में शामिल किया जाएगा।

सऊदी सरकार का पूरा सपोर्ट

नाउफ ने कहा- मैं सऊदी सरकार की स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने हमें इतनी तेजी से हर चीज का अप्रूवल और सपोर्ट दिया। अब हमें योगा के बेहतर प्रैक्टिशनर मिल सकेंगे। योगा कमेटी बनाने में लीडरशिप का जो सहयोग मिला, वो शानदार है।

कमेटी ने अहम फैसले लिए

सऊदी अरब की वेबसाइट 'द नेशनल' ने सऊदी योगा कमेटी की प्रेसिडेंट नाउफ अल मेरवई के हवाले से बताया है कि अब देश की तमाम यूनिवर्सिटीज में योगा क्लासेज लगेंगी। नाउफ के मुताबिक- इस बारे में सऊदी योगा कमेटी और सऊदी स्पोर्ट्स फेडरेशन और मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के साथ एग्रीमेंट साइन किया जा चुका है। इसका मकसद है कि भविष्य में सभी यूनिवर्सिटीज को योगा से जोड़ा जाए। नाउफ ने आगे कहा- हमने कुछ एमओयू साइन किए हैं। इनमें योगा की ट्रेनिंग, प्रैक्टिस, कॉम्पटीशन्स और सोशल एक्टिविटीज का जिक्र है। इसको लेकर एक्सपर्ट्स की मदद से रिसर्च भी शुरू होगा। रियाद यूनिवर्सिटी में इसके लिए एक स्पेशल ट्रेनिंग सेशन ऑर्गनाइज किया जा चुका है।सऊदी में हाल ही में योगा चैम्पियनशिप हुई थी।

तुम्हारी जितनी तकलीफें, भगवान उन्हें मुझे दे दें...

और बहनों के सामने घुटने पर बैठ गए एमपी के सीएम शिवराज

● म.प्र. में शुरू हुई लाड़ली बहना योजना

● सभी वर्ग की महिलाओं को मिलेगा 1 हजार रुपए महीना

भोपाल (एजेंसी)। एमपी सीएम शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। अपने जन्मदिन पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना की शुरुआत की है। जून से एमपी की महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए मिलेंगे। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने योजना लॉन्च करने के बाद कहा कि मेरी बहनों, मैं चाहता हूं कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को लागू करने में आपको कोई दिक्कत या समस्या न आए। इसके साथ ही सीएम ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि तुम्हारी जितनी तकलीफें हैं, भगवान उन्हें मुझे दे दें। मंच से संबोधन के दौरान सीएम शिवराज सिंह चौहान घुटनों के बल बैठ गए।

लाड़ली बहना योजना क्यों?

वहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बताया है कि हमने प्रदेश में लाड़ली बहना योजना क्यों शुरू की है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की धरती पर मां, बहन और बेटी का हमेशा सम्मान रहा है। हम बेटियों और बहनों को दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती मानते हैं। अगर विष्णु जी का नाम लेना है तो लक्ष्मीनारायण कहते हैं, कृष्ण जी का नाम लेना हो तो राधाकृष्ण कहते हैं और श्रीराम का नाम लेना हो तो कहते हैं सीताराम। उन्होंने कहा कि कालांतर में बेटियां भेदभाव का शिकार हो गईं।

गर्भवती मजदूर बहन को देते हैं 16000 रुपए

इसके साथ ही मंच से सीएम शिवराज सिंह चौहान ने अन्य कई योजनाओं का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि हमने तय किया था कि स्कूल जाने के लिए किताबें, यूनिफॉर्म और साइकल की व्यवस्था भी बेटियों के लिए की जाएगी। हमने गरीब गर्भवती मजदूर बहन को 16,000 रुपये देने की योजना बनाई। हमने लगातार योजनाएं बनाई लेकिन कमलनाथ ने सभी योजनाओं को बंद कर दिया। मेरे मन को शांति नहीं मिली। गरीब बहन हजार-हजार रुपए के लिए परेशान हो जाती है। मैंने देखा कि मायके जाने के लिए भी कई बार पतिदेव पैसे नहीं देते थे। मैं यही सोचता था कि वो दिन कब आएगा, जब मेरी बहनों को हजार रुपये के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

चीन पर अपने रुख से पलटे राहुल

● कैंब्रिज में चीन को शांतिप्रिय देश कहा था, अब बोले- भारत को उससे सतर्क रहने की जरूरत

लंदन (एजेंसी)। कैंब्रिज में चीन को शांति पसंद और नेचर से जुड़ा देश बताने वाले राहुल गांधी का रुख अब बदल गया है। कैंब्रिज से करीब 100 किलोमीटर दूर लंदन में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के इंडिया इनसाइट्स प्रोग्राम में राहुल ने कहा- इंडिया को चीन से सतर्क रहने की जरूरत है। वह बॉर्डर पर बहुत ज्यादा एक्टिव और एग्रेसिव है।

7 दिन के ब्रिटेन दौरे पर गए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर मोदी सरकार की खुले मंच पर आलोचना की है। लंदन में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने इंडिया इनसाइट्स के तहत राहुल गांधी से चर्चा की। इस दौरान राहुल ने कहा- देश का अपमान मैं नहीं, बल्कि खुद पीएम मोदी करते हैं।

राहुल ने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री मोदी या उनकी सरकार पर सवाल उठाते हैं, उस पर हमला किया जाता है।

मैं नहीं पीएम करते हैं देश का अपमान

मुझे याद है कि पिछली बार प्रधानमंत्री ने विदेश जाकर घोषणा की थी कि आजादी के 70 साल में कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा था कि हमने एक दशक खो दिया है। भारत में बेहिसाब भ्रष्टाचार है। यह सब उन्होंने विदेश में कहा था। मैंने कभी अपने देश का अपमान नहीं किया। मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा। जब वे कहते हैं कि 70 साल में कुछ नहीं हुआ, तो क्या यह हर भारतीय का अपमान नहीं है?

जो सरकार से सवाल करता है उस पर हमला होता है यदि कोई पीएम नरेंद्र मोदी का सपोर्टर है, तो उसका भी आँख मूंदकर समर्थन किया जाता है। इसका उलटा जो लोग उन पर या उनकी सरकार पर सवाल उठाते हैं, उस पर हमला किया जाता है।

मेरा पीएम कैंडिडेट होना चर्चा का विषय नहीं- राहुल से जब यह पूछा गया कि वे अगले पीएम उम्मीदवार होंगे, इस पर राहुल गांधी ने कहा- मेरा पीएम कैंडिडेट होना चर्चा का विषय नहीं है।

तुनिषा सुसाइड केस

आरोपी शीजान ठाणे जेल से रिहा

● परिवार के गले लगकर रोया

मुंबई (एजेंसी)। तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में मुख्य आरोपी शीजान खान दो महीने बाद रविवार को ठाणे जेल से रिहा हो गया। शनिवार को वसई कोर्ट ने उसे 1 लाख के बॉन्ड पर जमानत दे दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शीजान जेल से रिहा होने के बाद परिवार वालों से गले लगकर रोया।

बताया जा रहा है कि शीजान को देश से बाहर जाने पर पाबंदी है। कोर्ट ने उसका पासपोर्ट जमा कराने को कहा है। तुनिषा ने 24 दिसंबर 2022 को शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तुनिषा की मां की शिकायत पर शीजान को 25 दिसंबर को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वो तभी से जेल में बंद था।

उमेश पाल हत्याकांड के शूटर्स पर तगड़ा इनाम

● 50 हजार से बढ़ाकर अब मिलेगी लाखों की रकम

लखनऊ/प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड के फरार मेन शूटर्स पर घोषित इनाम बढ़ा कर ढाई-ढाई लाख कर दिया गया है। इसकी घोषणा डीजीपी डॉ डीएस चौहान ने की है। फरार मेन शूटर्स का पता बताने वालों को ढाई-ढाई लाख का इनाम देने की घोषणा की गई है।

अतीक अहमद के बेटे पर भी ढाई लाख का इनाम- उमेश पाल हत्याकांड में लीड रोल में सामने आया शूटर असद पुत्र अतीक अहमद पर भी ढाई लाख का इनाम रखा गया है। वहीं शूटर अरमान और बगल की दुकान पर पहले से घात लगाकर खड़ा शूटर गुलाम मोहम्मद पर ढाई-ढाई लाख का ईनाम रखा गया है।

सिसोदिया केस पर 9 विपक्षी नेताओं की पीएम मोदी को चिट्ठी

कहा- गिरफ्तारी ने दिखाया कि हम लोकतंत्र से तानाशाही में बदल गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नईदिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी को लेकर 9 विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। इन नेताओं में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। चिट्ठी में लिखा है कि मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी यह दिखाती है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश से तानाशाही शासन में तब्दील हो गया है। दरअसल, शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सिसोदिया की पेशी हुई थी। यहां उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी, लेकिन कोर्ट ने 10 मार्च तक के लिए जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया और सीबीआई को उनकी दो दिन की रिमांड और दे दी।

चिट्ठी लिखने वाले 9 नेता

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, आरआरएस चीफ के चंद्रशेखर राव, पंजाब के सीएम भगवंत मान, राजद नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस लीडर फारूक अब्दुल्ला, राकांपा चीफ शरद पवार, शिवसेना ठाकरे ग्रुप के चीफ उद्धव ठाकरे, सपा चीफ अखिलेश यादव।

चिट्ठी की 5 बड़ी बातें...

आदरणीय प्रधानमंत्रीजी, हमें भरोसा है कि आपको आज भी लगता है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का मनमाना इस्तेमाल यह दिखाता है कि हम एक लोकतंत्र से तानाशाही में तब्दील हो गए हैं। लंबी तलाश के बाद 26 फरवरी 2023 को मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। कथित तौर पर गड़बड़ी के आरोप में ये गिरफ्तारी की गई और वह भी बिना कोई सबूत दिखाए। सिसोदियाजी के खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। यह राजनीतिक षड्यंत्र के तहत की गई कार्रवाई है। इस गिरफ्तारी ने पूरे देश की आवाम को गुस्से से भर दिया है।

जब तक ममता बनर्जी की सरकार न गिरा दूं बाल नहीं रखूंगा

...कौस्तव बागची ने मुंडन कराकर खाई कसम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के युवा नेता कौस्तव बागची को शनिवार को गिरफ्तार की घटना के बाद पूरे राज्य भर में हंगामा मच गया था। कौस्तव को मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था लेकिन दोपहर तक उन्हें जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद कौस्तव ने कसम खाई और कहा कि वह जब तक ममता बनर्जी की सरकार नहीं गिरा देंगे तब तक वह सर पर बाल नहीं रखेंगे। उन्होंने सरेआम अपना मुंडन करा दिया।

उज्बेकिस्तान कफ सिरप मामले में नोएडा की मेरियन बायोटेक कंपनी के 3 कर्मचारी गिरफ्तार

नईदिल्ली (एजेंसी)। उज्बेकिस्तान में भारतीय कफ सिरप से 18 बच्चों की मौत के मामले में नोएडा की फार्मा कंपनी मेरियन बायोटेक के 3 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर दवाई में मिलावट करने के आरोप लगे हैं। हालांकि, आरोपियों में कंपनी के मालिक शामिल नहीं हैं।

केन्या में इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम डिस्टर्बेंस के कारण पूरे देश में एक साथ ब्लैकआउट

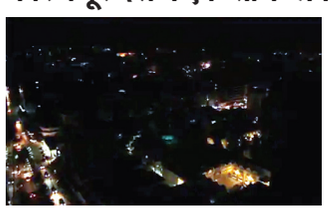

केन्या (एजेंसी)। केन्या में शनिवार शाम 6.20 बजे इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम डिस्टर्बेंस के कारण पूरे देश में एक साथ ब्लैक आउट हो गया। केन्या पॉवर इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूटर ने बताया कि हम कम से कम समय में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं।

विदेशी भक्तों ने खेली फूलों की होली

● मथुरा-वृंदावन में रूस-यूक्रेन समेत 32 देशों से श्रद्धालु पहुंचे ● डीजे पर किया डांस, बोले- यह अमेजिंग है

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के वृंदावन के कीकी नगला में शनिवार को विदेशी कृष्ण भक्तों ने फूलों की होली खेली। इस दौरान इंग्लैंड, रूस, यूक्रेन सहित 32 देशों से आए भक्तों ने डीजे की धुन और भजनों पर जमकर डांस किया। फिर एक दूसरे पर फूल डालकर जमकर होली खेली। भक्तों ने एक दूसरे पर इतने फूल फेंके कि वहां फूलों एक परत जम गई है।

यूक्रेन से आई शंकर दासी बोलीं- बहुत ही अच्छा सेलिब्रेशन हुआ- यूक्रेन से आई शंकर दासी ने कहा कि गुरुजी के साथ होली खेली और भक्तों के साथ भजन गए। बहुत अच्छा सेलिब्रेशन हुआ। वहीं, जर्मनी से आई विश्व मोहिनी ने कहा कि पहली बार साल 2014 में वृंदावन में होली खेली थी। इसके बाद अब आई हूं। काफी अच्छा लग रहा है।

भूत-प्रेत संग झूमे और खेली चिता भस्म से होली, हरिश्चंद्र घाट पर उमड़ा हुजूम

काशी मोक्षदायिनी सेवा समिति की ओर से हरिश्चंद्र घाट पर संस्था के अध्यक्ष पवन कुमार चौधरी ने सुबह बाबा मशाननाथ का रुद्राभिषेक व पूजन किया। दोपहर में रवींद्रपुरी स्थित बाबा कीनाराम मंदिर में पूजन के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भूत-प्रेत, देवों की झांकी देखते बन रही थी। भूत-प्रेत के स्वरूप करतब दिखाते चल रहे थे।

वाराणसी (एजेंसी)। रंगभरी एकादशी पर जहां काशी विश्वनाथ धाम में बाबा और मां गौरा के साथ भक्त होली खेल रहे थे तो वहीं हरिश्चंद्र घाट पर मसान की होली में बाबा के गण और उनके भक्तों का हुजूम उमड़ा था। भूत-प्रेत संग बाबा के गणों ने हरिश्चंद्र घाट पर चिता भस्म की होली खेली। देश-विदेश से इस होली को देखने घाट पर लोग पहुंचे थे। अबीर-गुलाल और भस्म उड़ाते हुए होली गीतों की धुन पर सभी के पांव थिरकते रहे। काशी मोक्षदायिनी सेवा समिति की ओर से हरिश्चंद्र घाट पर संस्था के अध्यक्ष पवन कुमार चौधरी ने सुबह बाबा मशाननाथ का रुद्राभिषेक व पूजन किया। दोपहर में रवींद्रपुरी स्थित बाबा कीनाराम मंदिर में पूजन के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भूत-प्रेत, देवों की झांकी देखते बन रही थी। भूत-प्रेत के स्वरूप करतब दिखाते चल रहे थे। कहीं, शहनाई की धुन तो कहीं बैंडबाजे व ढोल-नगाड़े पर युवा थिरक रहे थे। डीजे पर होली गीत बज रहे थे। किन्नरों का दल भी लोकनृत्य कर रहा था। शोभायात्रा भेलूपुर, सोनारपुरा होते हुए करीब दो घंटे में हरिश्चंद्र घाट पहुंची, जहां बाबा की आरती उतारी गई। वहीं, घाट का कोना-कोना होलियाना माहौल में डूबा था। हर ओर खासकर युवाओं की टोलियां झूमती रहीं। भूत-प्रेत, महादेव और काली आदि देवों के स्वरूपों संग लोग भी चिता भस्म से होली खेलते रहे। शोभायात्रा में समिति के उपाध्यक्ष गोपाल प्रसाद, बहादुर चौधरी, विकास रावत, राजश्री शुक्ला, आशीष चौधरी आदि शामिल रहे।

बीएचयू की छात्राएं व विदेशी भी थे मगन देश-विदेश में चर्चित मसान की होली को देखने के लिए कई शहरों और विदेशों से लोग पहुंचे थे। उन पर होलियाना रंग चढ़ा था। अबीर-गुलाल से सराबोर बीएचयू के छात्र व छात्राओं की टोलियां भी बाबा का दर्शन कर झूम रही थीं।

ड्रोन कैमरे से किया होली को कैद मसाने की होली को कैमरे में कैद करने के लिए हर ओर होड़ मची थी। लोग कैमरे व मोबाइल से वीडियो बनाने व फोटो खींचने में लगे थे, वहीं, घाट पर करीब दर्जन भर ड्रोन कैमरे से भी इस अनूठी होली की जीवंतता को कैद किए।

पांच दिन से लापता दुकानदार का बोरे में मिला शव, हैवानों ने निकाल ली थी दोनों आंखें

देवरिया (एजेंसी)। परिजनों ने युवक के गायब होने की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। शनिवार की दोपहर लोगों ने गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बाकी नाला के पुल के नीचे एक बोरी में लाश देखा। पुलिस ने बोरी में शव देख कर पहचान कराने का प्रयास किया। घर वालों ने पहुंच कर शव की पहचान की।

देवरिया जिले में रामलक्षन के रहने वाले एक सब्जी विक्रेता की बोरे में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। उसका शव गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बाकी पुल के नीचे शनिवार की दोपहर में मिला। वह 28 फरवरी से लापता चल रहा था।

युवक की दोनों आंखे धारदार हथियार से निकाल लिए गए थे। युवक का चेहरा अधजला मिला। घटना के पीछे आशनाई बताई जा रही है। युवक 28 फरवरी की रात घर से रात में करीब 11 बजे निकलते समय सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है। रुद्रपुर और गौरीबाजार पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

रामलक्षन के लक्ष्मीपुर निवासी नूर मोहम्मद 28 वर्ष चौराहे पर अपनी मां फातिमा के साथ सब्जी की दुकान लगाता था। उसके पिता अली मोहम्मद की पांच साल पहले ही मौत हो चुकी है। दो बड़े भाई अनवर अली और शराफत अली विदेश में रहते है। परिजनों के अनुसार 28 फरवरी की रात घर से बिना किसी को बताए निकल गया। घर के सामने लगे सीसीटीवी में वह अकेले मोबाइल पर बात करते हुए निकलते दिखाई दे रहा है।

परिजनों ने युवक के गायब होने की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। शनिवार की दोपहर लोगों ने गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बाकी नाला के पुल के नीचे एक बोरी में लाश देखा। पुलिस ने बोरी में शव देख कर पहचान कराने का प्रयास किया। घर वालों ने पहुंच कर शव की पहचान की। युवक की दोनों आंखे निकाली गई थी। ज्वलनशील पदार्थ से शव को जलाने का भी प्रयास किया गया था। घर वाले किसी से दुश्मनी से इंकार कर रहे है। लोग आशनाई में हत्या होने की आशंका जता रहे है। सीओ पंचम लाल ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कराने को भेजा गया है। हत्या के कारण का पुलिस पता लगाने में जुटी है।

आंखों का नूर गायब होने से बेहाल हुई फातिमा बोरे में नूर मोहम्मद की लाश मिलने की खबर सुन मां फातिमा बेहाल हो गई। वह दहाड़े मार कर रोने लगीं। दो बेटों के विदेश रहने पर मां अपने छोटे बेटे नूर मोहम्मद के साथ ही रहती हैं। मां और बेटे चौराहे पर सब्जी बेच कर घर गृहस्थी चला रहे थे। दुलारे बेटे को खोकर मां बेजार होकर रोने लगीं। मां की हृद्य विदारक चीख सुनकर लोगों की आंखे भर आईं। हर कोई हत्या का कारण जानने को परेशान दिखा।

'स्कूल फीस के फंदे' ने ले ली जान

पिता ने बच्चों को पढ़ाने की खातिर छोड़ा गांव, बेटी ने छोड़ दी दुनिया

बरेली (एजेंसी)। किराये पर रहने वाले ऑटो ड्राइवर की 14 वर्षीय बेटी ने शुक्रवार की सुबह आत्महत्या कर ली थी। वह कक्षा नौ की छात्रा थी। पिता का आरोप है कि फीस जमा न कर पाने पर स्कूल प्रबंधन ने उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया था।

बालिका शिक्षा और मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के स्लोगन पर बरेली के ऑटो ड्राइवर अशोक की बेटी साक्षी गंगवाल के साथ हुई घटना बड़ा सवाल खड़ा रही है। गरीब परिवार की बेटी को फीस न देने की खातिर दो बार स्कूल से निकाल दिया गया। पिता के मुताबिक बेटी परीक्षा में न बैठ पाने की वजह से मन ही मन घुट रही थी, इसी घुटन में उसने जान दे दी। बारादरी थाना क्षेत्र के दुर्गा नगर में किराये पर रहने वाले ऑटो ड्राइवर अशोक कुमार की 14 वर्षीय बेटी साक्षी गंगवार ने शुक्रवार सुबह आत्महत्या कर ली थी। घटना के दौरान पिता बाहर थे, जबकि मां कमलेश घर की सफाई में व्यस्त थीं। इसी दौरान साक्षी ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। बेटी को फंदा लगाता देख मां कमलेश ने आवाज भी लगाई, लेकिन उसने एक न सुनी।

किराये के मकान में रहता है परिवार अशोक कुमार गंगवार ने बताया कि वह मूलरूप से नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव अभय राजपुर के निवासी हैं। गांव में परिवार को पालना मुश्किल हो रहा था। वह चाहते थे कि दोनों बच्चों को सही से पढ़ाकर किसी लायक बना सकें। इसलिए शहर में बसने का फैसला लिया। दुर्गानगर में किराये पर दो कमरे लेकर परिवार रहता है। वह ऑटो चलाकर परिवार को पालने और बच्चों को पढ़ाने में जुट गए। बेटी घर के पास ही स्थित सूरजमुखी सरस्वती विद्या मंदिर की छात्रा थी। अशोक के मुताबिक कोरोना काल से ही उनका काम सही नहीं चल रहा था, जिसकी वजह से वह लंबे समय से साक्षी के स्कूल की फीस जमा नहीं कर सके थे। इसके चलते फीस के 25 हजार रुपये बकाया थे। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने साक्षी को परीक्षा में नहीं बैठने दिया। स्कूल से उसे ताना देकर घर भेज दिया जाता था। इस तरह उसकी दो परीक्षा छूट गई थीं, जिसकी वजह से साक्षी मानसिक रूप से परेशान थी। उन्हें लगता है कि बेटी ने इसी उलझन में जान दी है। हालांकि उन्हें बेटी के इस कदम का आभास होता तो वह किसी भी तरीके से उसकी फीस जरूर जमा कर देते।

तंगी से जूझ रहा परिवार अशोक कुमार के मुताबिक उनके पास नाममात्र जमीन है। परिवार में पत्नी कमलेश, 17 साल का बेटा शिवम और 14 साल की बेटी साक्षी थे। जमीन की आय से गुजारा नहीं हो पा रहा था तो शहर आकर बसे। पहले राशनकार्ड था, अब वह भी निरस्त हो चुका है।

आत्महत्या के पीछे अन्य कोई वजह सूरजमुखी सरस्वती विद्या मंदिर के प्रबंधक मंगला प्रसाद अवस्थी ने बताया कि छात्रा के आत्महत्या करने के पीछे कोई अन्य वजह है, जिसकी जांच होनी चाहिए। वह 2019 से विद्यालय में पढ़ रही थी। आज तक विद्यालय को उसकी फीस नहीं मिली। इस साल छात्रा नौवीं और उसका भाई हाईस्कूल की परीक्षा दे रहा था। दोनों भाई बहनों की फीस इस बार भी नहीं आई थी। इसके बाद भी स्कूल ने दोनों को परीक्षा देने से नहीं रोका। छात्रा आखिरी बार 23 फरवरी को पहला पेपर देने आई थी उसके बाद से स्कूल नहीं आई है। आत्महत्या के पीछे की किसी अन्य वजह को स्कूल पर मढ़ा जा रहा है।

नातिन की शादी के लिए बैंक से निकाला कैश, 500-500 की गड्डी में निकले चूरन वाले नोट

आगरा (एजेंसी)। आवास विकास परिषद के रिटायर्ड कर्मचारी ने इंडियन बैंक की आवास विकास कॉलोनी शाखा से डेढ़ लाख रुपये निकाले थे। घर आकर जब नोटों को गिना तो एक गड्डी में छह चूरन वाले नोट मिले। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में इंडियन बैंक से निकाले गए कैश में आवास विकास परिषद के रिटायर्ड कर्मचारी को नोट की गड्डी के बीच में बच्चों के खेलने वाले नोट मिले। पांच-पांच सौ के छह नोट मिलने से उनके पसीने छूट गए। उन्होंने तत्काल ही बैंक प्रबंधक से शिकायत की। बैंक प्रबंधक ने कहा कि वे बैंक के कैश से मिलान करने के बाद कुछ स्पष्ट बता सकेंगे। आवास विकास परिषद के रिटायर्ड कर्मचारी हाकिम सिंह ने नातिन की शादी के लिए बैंक से डेढ़ लाख रुपए निकाले, जिनमें 50 हजार रूपये की गड्डी में 500-500 रुपये के छह नकली नोट निकले। इसकी शिकायत बैंक प्रबंधक से करने पर उन्होंने गिन कर नोट देने की बात कहकर पीड़ित को लौटा दिया।

आवास विकास कॉलोनी सेक्टर एक निवासी हाकिम सिंह ने बताया कि उनकी नातिन की शादी थी। 20 फरवरी को उन्होंने इंडियन बैंक की आवास विकास कार्यालय स्थित शाखा से डेढ़ लाख रुपए निकाले थे, जिसमें 500 के नोटों की 50 हजार की एक गड्डी में ये नोट निकले। दूसरी दो गड्डियों में सभी नोट असली थे।

उन्होंने बताया कि एक गड्डी में चूरन चटनी की दुकानों पर मिलने वाले छह नकली नोट निकले हैं। इन नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक की जगह मनोरंजन बैंक अंकित है। पीड़ित हाकिम का कहना है कि वह 2012 में आवास विकास परिषद से सेवानिवृत्त हुए थे। परिषद कार्यालय की शाखा में ही बैंक कर्मचारियों के पेंशन व वेतन खाते हैं।

उन्होंने इसकी शिकायत बैंक प्रबंधक से की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं। उन्होंने कहा हमने मशीन से गिन कर नोट दिए थे। पीड़ित का कहना है कि आवास विकास परिषद व बैंक के मुख्यालय में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

हां मैंने पति को मारा, अब खुद भी दे दूंगी जान

पति की हत्या के बाद 50 फीट ऊंचे पेड़ पर चढ़ी महिला और फिर..

सुबह जब लोग नाले के तरफ गये तो महिला को पेड़ पर देखकर हल्ला मचाया। शोर सुनकर आस पास के सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गये। लोगों ने महिला को पेड़ से नीचे उतरने को कहा लेकिन वह नीचे नहीं उतरी। उसका कहना था कि मैंने पति को मार दिया, अब खुद भी जान दे दूंगी।

सोनभद्र (एजेंसी)। सोनभद्र में थाना क्षेत्र के परसाटोला गांव में बुधवार की रात पत्नी ने अपने पति की धारदार कुल्हाड़ी से वार कर मौत के घाट उतार दिया था। पति की हत्या करने के बाद वह घर से फरार हो गई थी। शुक्रवार की सुबह गले में नायलॉन की रस्सी बांधकर वह घर से करीब तीन सौ मीटर दूर नाले के किनारे एक कहुआ के पेड़ पर करीब 50 फीट ऊपर चढ़ गई।

सुबह जब लोग नाले के तरफ गये तो महिला को पेड़ पर देखकर हल्ला मचाया। शोर सुनकर आस पास के सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गये। लोगों ने महिला को पेड़ से नीचे उतरने को कहा लेकिन वह नीचे नहीं उतरी। उसका कहना था कि मैंने पति को मार दिया, अब खुद भी जान दे दूंगी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना बभनी पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक आर एस शर्मा, हेड कांस्टेबल भरत यादव भईया लाल, महिला कांस्टेबल रंजना सभी लोग मौके पर पहुंच गये। महिला सोनामती को नीचे उतरने को कहा गया लेकिन वह बोली मुझे अब बच्चों तथा किसी से कोई मतलब नही है,मै फांसी लगाकर जान दे दूंगी।

पेड़ की ऊंचाई बहुत होने की वजह से उपर चढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। किसी प्रकार से महिला को बहला फुसलाया गया तो 20 फीट तक नीचे आई। फिर वह ऊपर चढ़ने लगी। इतने में भरत और भईया दिवान तथा गांव का पूरन पेड़ पर चढकर महिला को पकड़ लिया और उसके गले से रस्सी को निकाल कर नीचे उतारा।

दोनों हेड कांस्टेबल की हिम्मत ने महिला को खुदकुशी करने से बचा लिया।महिला ने कहा कि गांव के कुछ लोग मेरे पति जय प्रकाश को शराब पिला कर मुझे प्रताड़ित करवाते थे। इसके वजह से मैंने पति की हत्या कर दी। प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह ने बताया कि महिला के निशान देही पर धारदार हथियार को भी बरामद कर लिया गया है।

बैंड-बाजे से दी गो माता को अंतिम विदाई

रतलाम के रावटी में समाधि स्थल पर बनाएंगे गो माता का मंदिर

रतलाम।

रतलाम के रावटी में जीव दया और जीवो के प्रति संवेदनशीलता का आदर्श उदाहरण देखने को मिला है । शनिवार को एक परिवार ने अपने घर की पालतू गाय की मृत्यु होने पर उसे अपने घर से इस तरह विदा किया मानो उसके परिवार का ही कोई शख्स दुनिया को अलविदा कह गया हो। गौ माता की इस अंतिम विदाई में गांव के सैकड़ों लोग भी शामिल हुए। दरअसल यह कोई साधारण शव यात्रा नहीं है बल्कि एक गौमाता की शव यात्रा है । जिसने ताउम्र एक परिवार को अपनी संवेदनाओ, और प्यार से सींचा है । यही वजह है कि जब उस प्राणी का अंतिम समय आया तो इस परिवार ने भी इस मूक प्राणी को इस तरह विदाई दी जिसे देखकर हर देखने वाले की आंखें नम हो गई। यह पूरा घटनाक्रम रतलाम के रावटी कस्बे का है। यहां के निवासी श्रेणिक चत्तर पालतू गाय ने प्राण त्याग दिए। यह परिवार गाय को अपने परिवार का सदस्य मानते हुए उसका डेढ़ साल के ईलाज भी करवा रहा था। बीमारी के चलते आज सुबह गौमाता कि मृत्यु हो गई जिसके बाद इस परिवार ने गौ माता को अपने परिवार का सदस्य मानकर पूरे विधि विधान और रस्मो रिवाज के साथ उसे अपने घर से विदा किया। बकायदा गौ माता के लिए ट्रैक्टर ट्रॉली को फूलो से सजाया गया । गौमाता कि देह को रखकर कर पूरे गांव में शोभायात्रा निकाली गई । जिस भी ग्रामीण ने यह नजारा लिखा उसकी आंखें नम हो गई और जिस भी सड़क से गौ माता की अंतिम यात्रा निकली वहां ग्रामीणों ने उनकी पूजा-अर्चना कि। गौ माता को गांव के ही बाहर गहरा गड्ढा कर दफनाया गया और पूरे रस्मो रिवाज के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई। अब यह परिवार गौ माता की तेरहवीं करने की तैयारी में जुटा है। गौ माता की अंतिम यात्रा में श्रेणिक चत्तर का पूरा परिवार व आसपास के रिश्तेदार भी शामिल हुए।

हाईकोर्ट का फैसला: 6 साल की मासूम से दुराचार करने वाले नाबालिग को जमानत नहीं, अर्जी खारिज

जबलपुर।

मप्र हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में 6 साल की बच्ची से रेप के आरोपी 15 साल के किशोर को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस डीके पालीवाल की एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि 6 साल की मासूम बच्ची के साथ 15 साल से अधिक उम्र के लड़के ने हिंसक यौन उत्पीड़न किया है। एक्ट में जमानत के प्रावधानों को पीड़ित बच्चे के रोने की अनदेखी करते हुए केवल किशोर के लाभ के लिए काम करने के लिए व्याख्या नहीं की जा सकती है। प्रकरण के अनुसार सतना जिले में 6 साल की मासूम लड़की के साथ 15 साल के लड़के ने हिंसक तरीके से दुराचार किया था। आरोपी लड़का उसका पड़ोसी है और उसके मामा की दुकान पर काम कर रहा था। किशोर की जमानत का आवेदन को जिला न्यायालय ने खारिज कर दिया था। जिस पर आरोपी ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। एकलपीठ ने जमानत आवेदन को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा कि आरोपी वीडियो क्लिप दिखाने मासूम पीड़िता को दुकान के अंदर ले गया।

इसके बाद, अश्लील वीडियो दिखाया और उसका यौन उत्पीड़न किया, जिससे उसके निजी अंगों पर गंभीर चोटें आई। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि किशोर न्याय अधिनियम का उद्देश्य कानून के साथ संघर्ष करने वाले बच्चे के साथ-साथ देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चे दोनों की देखभाल करना है।

पीड़ित बच्चे की जरूरत या कल्याण की अनदेखी करते हुए केवल कानून का उल्लंघन करने वाले किशोर को लाभ नहीं दिया जा सकता है। एक किशोर के प्रति गलत सहानुभूति दिखाकर पीड़िता और समाज को न्याय से वंचित करना कानून का इरादा नहीं है।

बच्चों को स्कूल से लेने गई पत्नी, घर में पति ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

ग्वालियर. । महाराजपुरा इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जिस समय उसने फांसी लगाई, उस समय वह घर में अकेला था। जबकि उसकी पत्नी बच्चों को स्कूल से घर लाने के लिए गई थी। इसी दौरान उसने फांसी लगा ली। आत्महत्या की वजह जानने के लिए पुलिस पड़ताल में लगी है। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवाकर मर्ग कायम कर लिया है। महाराजपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत घुरैया मार्केट के पास रहने वाले बंटी सिंह ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी पत्नी बच्चों को लेने के लिए स्कूल गई हुई थी। वह घर में अकेला था। इसी दौरान उसने फांसी लगा ली। जब वह स्कूल से घर लौटकर आई ते बंटी फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। शोर सुनकर आसपास रहने वाले लोग आए। फिर पुलिस को सूचना दी गई। आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बहन से मिलकर घर लौट रहे भाई की मौत

इंदौर। राऊ में अपने बहन से मिलकर लौट रहे भाई की सड़क हादसे में मौत हो गई। घायल होने के बाद उसने अपने जीजा को मोबाइल से कॉल किया और एक्सीडेंट की जानकारी दी। वह लोगों की मदद से अस्पताल भी पहुंचा। जब तक परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे तब तक युवक ने दम तोड़ दिया। वह दो बहनों का इकलौता भाई था। पुलिस के मुताबिक घटना राजेन्द्र नगर इलाके की है। यहां एबी रोड पर रात में अंकित पुत्र लखन जाटव निवासी जोशी मोहल्ला बाइक सहित एक डिवाइडर से जा टकराया। इस दौरान उसके सिर में गंभीर चोटें आई। उसे उपचार के लिये जिला अस्पताल भेजा गया। यहां रात करीब एक बजे के लगभग उसकी मौत हो गई।जीजा दीपेश नरवरिया ने बताया कि अंकित उनके घर आया था। रात करीब 11 बजे के बाद वह घर से सभी से मिलकर निकला था।

गले का इलाज कराने गए युवक को लगाया इंजेक्शन, मौत

रायसेन।

रायसेन में स्वास्थ्य सुविधाओं पर काला थप्पा लगाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक मरीज गले का इलाज कराने के लिए झोलाछाप डॉक्टर के पास गया था। वहां डॉक्टर ने मरीज को इंजेक्शन लगा दिया। जिस वजह से उसकी मौत हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामला रायसेन के बेगमगंज का है। मृतक वृंदावन लोधी बेगमगंज के सुनेहरा गांव का रहना वाला है। वह करहोला गांव के डॉ. शंकर लोधी के पास पिछले 1 सप्ताह से अपनी पत्नी के हाथ-पैरों में दर्द का इलाज करा रहा था। इसी वजह से वह शनिवार शाम को डॉक्टर के पास पत्नी का इलाज कराने गया था। तभी उसने डॉक्टर से कहा- मेरा गला दर्द हो रहा है। जिसके बाद डॉक्टर ने उसे भी एक इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगते ही वृंदावन बेहोश हो गया। बैंच से नीचे गिर गया। जिसे तुरंत सिविल अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पत्नी मुन्नी बाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने डॉ. शंकर लोधी के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पीएम कराया है। मृतक के पुत्र हुकुम सिंह ने कहा कि शंकर लाल लोधी ने मेरे पिता को इंजेक्शन लगाया, जिससे उनकी मौत हो गई।

पोर्टल पर 6 मार्च को डलेगा वाहन का 0001 नंबर, इस पर रहेगी सबकी नजरें

इंदौर। वाहनों के वीआइपी नंबरों की शौकीनों के लिए अच्छी खबर है। 6 मार्च से नई सीरीज एमपी 09 जेडएम के नंबर नीलामी में डाले जाएंगे। इसके 0001 पर सबकी नजर रहेगी। यह नंबर ही सबसे अधिक कीमत पर बिकता है।जानकारी के अनुसार, बीते गुरुवार को वाहन पोर्टल पर नई सीरीज एमपी 09 जेडएम के नंबर डाल दिए गए हैं। अब आवेदक सोमवार सुबह से लेकर गुरुवार तक इस पर बोली लगा सकेंगे। गुरुवार शाम को इसका परिणाम आ जाएगा। इसके 0001 नंबर पर सबकी नजर रहेगी। हर बार यही नंबर सबसे अधिक कीमत पर बिकता है। पिछली सीरीज का 0001 नंबर दो लाख 12 हजार में बिक गया था। वहीं, इसकी आधार कीमत एक लाख रुपये थी। शेष अन्य नंबर 0007,0009, 9999 ऐसे नंबर होते हैं।

इंदौर के क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग फॉड में चौंकाने वाला खुलासा: 10 हजार देकर बनवाया एग्रीमेंट

इंदौर।

इंदौर इंदौर में पिछले दिनों हुए क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग फॉड में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बदमाशों ने इंदौर के ही एक व्यक्ति को जाल में फंसाकर रेंट एग्रीमेंट बनवाया। इसके बदले में उसे दस हजार रुपए भी दिए। राज्य साइबर सेल इंदौर की टीम जब इसकी तह तक पहुंची तो उन्हें दो नाम मिले है। जिनकी डिटेल निकाली जा रही है। 9 फरवरी 2023 को प्राइवेट कंपनी में काम करने वाली सिविल इंजीनियर आशीष जैन ने राज्य साइबर सेल को एक शिकायत करते हुए बताया कि टेलीग्राम पर किसी अज्ञात बदमाश ने क्रिप्टो करेंसी में ट्रेड करने के नाम पर उनसे 4 लाख 25 हजार रुपए ऐंठ लिए। बदमाशों ने पहले उन्हें कुछ टास्क करने को दिए, जिसे पूरा करने पर सिविल इंजीनियर को साढ़े चार हजार रुपए का फायदा हुआ। बाद में उन्हें क्रिप्टो करेंसी में ट्रेड करने के नाम पर जाल में फांसा। बदमाशों ने कहा कि ज्यादा पैसा लगाएंगे तो ज्यादा मुनाफा होगा। फिर उन्हें एक लिंक भेजकर उनका अकाउंट बनवाया। जब सिविल इंजीनियर ने उन्हें 4 लाख 25 हजार रुपए दिए तो उनके बनाए अकाउंट में काफी पैसा नजर आने लगा। जब उन्होंने इसे विड्रॉल करने की कोशिश की तो लिंक बंद हो गई और बदमाशों से भी संपर्क नहीं हुआ। शिकायत मिलने पर राज्य साइबर सेल की टीम ने तत्काल कार्रवाई की और जिस अकाउंट में उनका पैसा गया उसे फ्रिज करा दिया।

जांच में सामने आई कई बातें

शिकायत के बाद जब राज्य साइबर सेल की टीम ने जांच की तो कई बातें सामने आई। टीम को पता चला का कि इक्विटास स्माल फाइनेंस बैंक की कनाडिया शाखा के एक खाते में सिविल इंजीनियर के रुपए गए हैं। इसके साथ ही यशवंत प्लाजा स्थित एक कंपनी के नाम की भी जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने इस मामले में अपनी कार्रवाई आगे बढ़ाई। राज्य साइबर सेल एसपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि जब कंपनी के रेंट एग्रीमेंट की जानकारी निकाली तो उसमें परिहार कॉलोनी में रहने वाले अंकित इटारे का पता चला। अंकित से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके दोस्त धनंजय ने आयुष सिंह नामक व्यक्ति से मिलवाया था। आयुष ने उसे 10 हजार रुपए का लालच दिया और एग्रीमेंट करा लिया। अंकित के बारे में टीम को जानकारी मिली की वह मीटर लगाने का काम करता है।

बैंक खाते से सामने आया भीलवाड़ कनेक्शन

एसपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि जिस बैंक अकाउंट में पैसा गया था।

मुख्यमंत्री व सामाजिक संगठनों का जताया आभार

दो दशक से जारी थी मऊगंज को जिला बनाने की मांग: सत्यमणि

रीवा। मध्य प्रदेश का 53 वां जिला मऊगंज घोषित किया गया है. मुख्यमंत्री के प्रति इसके लिये आभार, साथ ही 20 सालों से लड़ाई लड़ रहे सामाजिक संगठन व अन्य संगठनों को भी मऊगंज जिला बनने पर कोटि-कोटि आभार सामाजिक कार्यकर्ता एवं मऊगंज के नेता सत्यमणि पाण्डेय ने व्यक्त किया है। रविवार को पत्रकार वार्ता आयोजित उन्होने कहा कि मऊगंज जिला घोषित हुआ है मुख्यमंत्री को धन्यवाद, साथ ही 20 वर्षो से जारी संघर्ष का प्रतिफल मऊगंज की जनता को मिला है. इसके अलावा एड0 संतोष मिश्रा ने पूरी ताकत के साथ मऊगंज के लिये न सिर्फ धरना प्रदर्शन किया बल्कि पूरे जिले में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था. जिसकी वजह से जनता को यह सौगात मिली है. साथ ही पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी ने भी कई सालों तक धरना दिया. वहीं पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना ने कई बार जेल भरो आन्दोलन किया और संघर्ष की लड़ाई लड़ी. जिसका परिणाम यह हुआ कि आखिर मऊगंज को मुख्यमंत्री ने जिला घोषित कर दिया. सभी संगठन एवं स्थानीय लोग इसके लिये लड़ते रहे. समाजसेवी एवं नेता सत्यमणि पाण्डेय ने कहा कि पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक राजेन्द्र शुक्ला के द्वारा मऊगंज को कई सौगाते दी गई है. जिसमें सबसे बड़ी सौगात घुरेहटा में स्थापित किये गये औद्योगिक क्षेत्र को माना जा रहा है. जिससे बड़े उद्योग स्थापित होगें और युवाओं को रोजगार मिलेगा. भूमि आवंटन करा दिया गया है, वहीं गैस पाइप लाइन भी मऊगंज वासियों के लिये एक बड़ी सौगात होगी. उन्होने कहा कि मऊगंज का विकास तभी माना जायेगा जब बाणसागर का पानी किसानों के खेत में पहुंचेगा और खेतो में फसल लहलहायेगी. रीवा से मिर्जापुर रेल लाइन के लिये भी सामाजिक लड़ाई लड़ रहे है. सांसद रीवा रेल लाइन के लिये लोकसभा में मुद्दा उठा चुके है।

बाल शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ. मीना सिंह M.D. Pedia
बाल्य एवं
शिशु रोग विशेषज्ञ
एसो. प्रोफेसर एवं कंसलटेन्ट
GMH & SSMC Rewa (M.P.)
M.: 9893137639

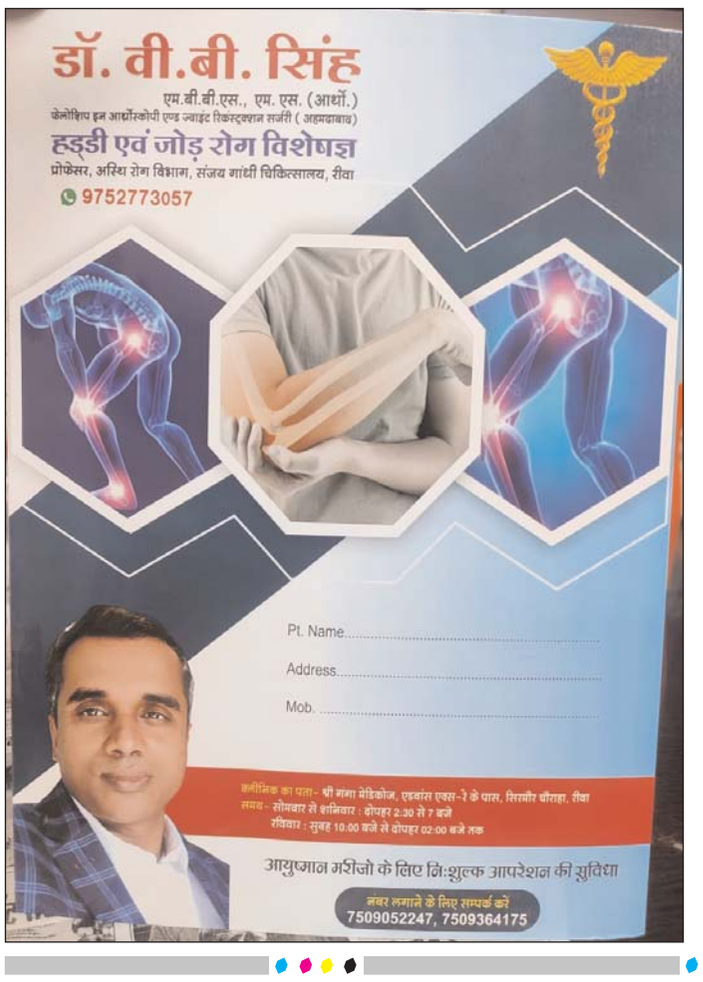

संपादकीय

तकनीकी जोखिम

तकनीकी और विज्ञान के क्षेत्र में हम भले ही कितनी ही तरक्की क्यों न कर लें, लेकिन उससे उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निजात पाना मुश्किल है, क्योंकि इसका कुछ फायदा है तो कुछ नुकसान भी है। इसी में से एक है डिजिटल साइबर सुरक्षा। आज डिजिटल या साइबर सुरक्षा पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। बदलते प्रौद्योगिकी के इस दौर में साइबर अपराधियों द्वारा महत्त्वपूर्ण आंकड़ों में सेंधमारी करना, आइडी चोरी आदि शामिल है। जाहिर है, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' यानी कृत्रिम बुद्धिमता जैसे अत्याधुनिक तकनीकी प्रौद्योगिकी के साथ ही साथ साइबर अपराधों और हमलों का जोखिम भी काफी तीव्रता के साथ बढ़ा है। अब साइबर अपराधियों द्वारा परिष्कृत हमले शुरू कर दिए गए हैं। ये परिष्कृत हमले आधुनिक सुरक्षा प्रणाली के सामने एक बड़ी चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं और अब सामान्य से बुद्धिमान साइबर हमले बन गए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंप्यूटर जैसी मशीनों द्वारा ऐसे कार्यों को करने की क्षमता रखती है, जिन्हें करने के लिए आमतौर पर मानव मस्तिष्क की जरूरत होती है। यह तकनीक विशेष रूप से कारण जानने, विश्लेषण करने, निर्णय लेने तथा दृश्यबोध करने जैसी कार्य की क्षमता होती है। आसान शब्दों में कहें तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता ऐसी साफ्टवेयर की क्षमता है, जिसका विकास मानव जैसी बुद्धिमता को विकसित करने और उसे लागू करने के लिए किया जाता है। इसमें इन मशीनों खासकर कंप्यूटर द्वारा मानव की बौद्धिक प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है। दरअसल, स्मार्टफोन, गूगल सर्च, कार्टून, गूगल असिस्टेंट, वीडियो गेम, यूट्यूब और फेसबुक आदि हमारी सामान्य जिंदगी में उपयोग किए जाने वाले कुछ प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोग हैं। ये न केवल कार्य कर सकने में सक्षम हैं, बल्कि यह कम समय में अधिक तीव्रता के साथ कार्य करने में भी सक्षम हैं। गौरतलब है कि डिजिटल साइबर हमलों से बचने के लिए नेटवर्क सुरक्षा के क्षेत्र में सक्षम कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है, जिसमें साइबर सुरक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से आनलाइन अपराधों का पता लगाने में लगने वाले समय में कमी आती है। अब तक साइबर हमलों के रोकथाम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत ही मददगार साबित हुई है। डीडीएस हमले ऐसे होते हैं, जिनमें किसी वेबसाइट के सर्वर उपयोगकर्ता की पहुंच को बाधित कर दिया जाता है। हालांकि भारत में साइबर हमलों के सुरक्षा के लिए 2013 में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति लाई गई थी। इस नीति का उद्देश्य नागरिकों के लिए सुरक्षित और लचीली साइबर दुनिया का निर्माण करना था। कृत्रिम बुद्धिमत्ता समर्थित उन्नत तकनीकों को सीखने के लिए प्रोत्साहित करने पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना चाहिए। साइबर हमले को रोकने व उन्नत तकनीकी के उपयोग के लिए काफी समय प्रबंधन और संसाधन की आवश्यकता होती है। इसलिए इन उपकरणों को उचित तरीके से प्रबंधित करने के लिए मानव विश्लेषकों को भी बड़ी संख्या में शामिल किए जाने की जरूरत है। शरीर में विटामिन की कमी होती है तो हम ध्यान में आते ही तुरंत उस विटामिन की पूर्ति कर लेते हैं, जिससे हमारा शरीर सही और संतुलित बना रहे। ठीक इसी तरह परिवार, रिश्तों आदि में पैसे, संपत्ति आदि को लेकर चिंता आ जाती है। उस स्थिति में रिश्तों में कड़वाहट भी आने लग जाती है, जिसका सीधा असर मन पर पड़ता है। मन दुखी हो जाता है यह सब घर में देखकर। तब उस कड़वाहट को दूर करने के लिए नजदीकी या लगाव की जरूरत होती है।

सावधान! गरिमा को नजरंदाज कभी न करें

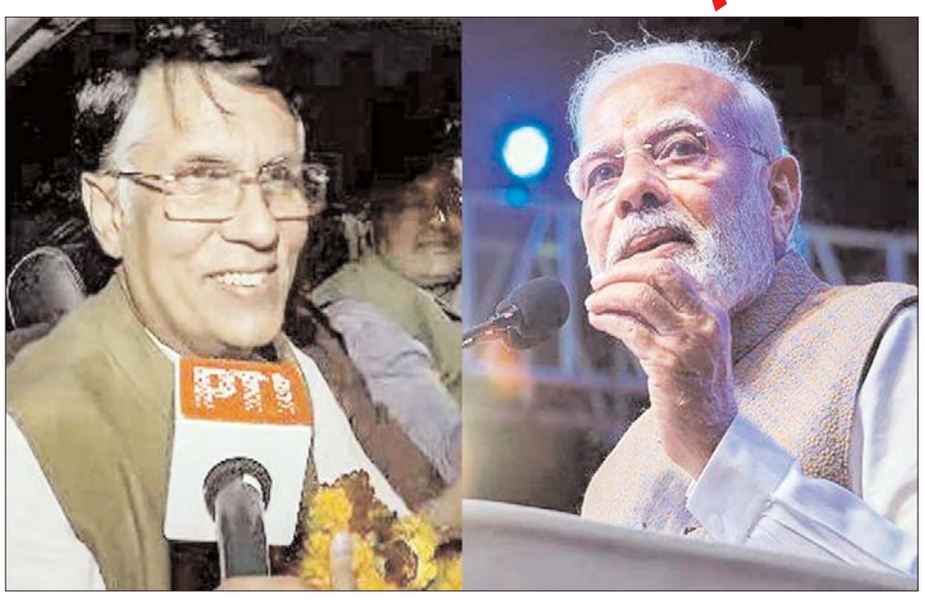

सब जानते हैं कि जब किसी को आप उंगली दिखाते हैं, तो आपकी ओर भी तीन उंगलियां उठी रहती हैं। इशारा भाजपा और कांग्रेस की ओर ही है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पिछले दिनों दिल्ली एयरपोर्ट पर कांग्रेस प्रवक्ता को विमान से उतरकर गिरफ्तार करने के लिए जो हाई वोल्टेज ड्रामा किया गया, काश इस तरह की कार्रवाई पुलिस द्वारा समय-समय पर देश में होने वाली आतंकी घटनाओं पर की गई होती, तो जानमाल का जितना नुकसान आज तक देश झेल चुका है, उसमें अपेक्षित कमी आई होती। यह ठीक है कि कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने देश के प्रधानमंत्री के नाम के साथ जानबूझकर ही सही, 'चर्चित गौतम अडानी' के नाम के साथ जोड़कर अनर्गल रूप में लिया, जो घोर निंदनीय है, लेकिन उनकी गिरफ्तारी का जो हाई वोल्टेज ड्रामा पेश किया गया, वह तो विपक्षी दल के लिए बड़ा मुद्दा बन गया। अब विपक्षी ढूंढ-ढूंढ कर भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री की इस प्रकार की टिप्पणियों को सार्वजनिक करने में लग गए हैं जिसमें सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने विपक्षी दलों और उनके नेताओं पर की थी। क्या इस हाई वोल्टेज ड्रामा का मतलब सत्तारूढ़ दल द्वारा एक ऐसा आतंक विपक्षी दलों के नेताओं मन में पैदा करना था, जिससे उनमें डर पैदा हो और भविष्य में कोई ऐसा बोलने की हिमाकत न कर सके। भला हो सुप्रीम कोर्ट का, जिन्होंने कांग्रेस प्रवक्ता को अंतरिम जमानत दे दी, जिससे उन्हें कांग्रेस के रायपुर में आयोजित 85वें सम्मेलन में हिस्सा लेने का अवसर मिल सका। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद पवन खेड़ा कहते हैं कि 'मुझे गैर कानूनी तरीके से विमान से उतारकर गिरफ्तार किया गया। बिना एफआईआर की कॉपी और नोटिस मेरी गिरफ्तारी हुई। मुझे न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है, जिसने आज मेरी रक्षा की।' पवन खेड़ा ने पत्रकार वार्ता में कहा था कि हिंडनबर्ग-अडानी मामले पर जेपीसी गठन करने में 'नरेंद्र गौतमदास मोदी को समस्या क्या है? बाद में कहा- क्षमा करें, नरेंद्र दामोदरदास मोदी।' पवन खेड़ा की गिरफ्तारी और सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए अंतरिम जमानत के बाद सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के उत्तर प्रदेश में एक सार्वजनिक मंच से दिए गए उस भाषण को वायरल किया जा रहा है, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के लिए कहा था, 'आपके पिता को आपके रागदरबारियों ने 'मिस्टर क्लीन' बना दिया था। गाजे-बाजे के साथ 'मिस्टर क्लीन, मिस्टर क्लीन' चला था, लेकिन देखते-ही-देखते भ्रष्टाचारी नंबर वन के रूप में उनका जीवनकाल समाप्त हो गया।' दरअसल, प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी उस बोफोर्स घोटाले के संदर्भ में की गई थी जिसमें राजीव गांधी का नाम घसीटा जरूर गया था, लेकिन बाद में न सिर्फ उनका नाम उस चार्जशीट से हटाया गया और उन्हें क्लीन चिट दी गई, बल्कि एक वर्ष पहले जब सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दोबारा उस मामले को खोलने की अनुमति मांगी, तो सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को यह कहते हुए अनुमति नहीं दी कि उसे इस मामले की याद अचानक 13 वर्ष बाद कैसे आई! कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत कहती हैं कि जब प्रधानमंत्री हमारी चुनी हुई अध्यक्ष को कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, हमारे लीडर को हाईब्रीड बछड़ा, ब्याहता को पचास करोड़ की गर्लफ्रेंड कहते हैं, तो हमें भी पीड़ा होती है। प. बंगाल के चुनाव में वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री 'दीदी ओ दीदी' कहते हैं, तो यह उनकी गरिमा के अनुकूल नहीं है और यह भारतीय नारी का अपमान भी है। ठीक पवन खेड़ा की तरह गुजरात के कांग्रेस विधायक और दलित नेता जिग्नेश मेवाणी को असम पुलिस ने पालनपुर सर्किट हाउस से पिछले वर्ष रात लगभग 11:30 बजे गिरफ्तार कर लिया। उन्हें असम ले जाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ ट्वीट में आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर मेवाणी के खिलाफ असम पुलिस ने केस दर्ज किया था। मेवानी ने अपने ट्वीट में कहा था, 'गोडसे को अपना आराध्य मानने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 तारीख से गुजरात दौरे पर हैं। उनसे अपील है कि गुजरात में हिम्मतनगर, खंभात, वेरावल में जो कौमी हादसे हुए हैं, उसके खिलाफ शांति और अमन की अपील करें। महात्मा मंदिर के निर्माता से इतनी उम्मीद तो बनती है।' यहां इसका उल्लेख करना आवश्यक है कि राजनीतिक गलियारे में इस गिरफ्तारी को सियासत से जोड़कर देखा जा रहा है। जिग्नेश मेवानी, गुजरात कांग्रेस (अब निर्दलीय) के बड़े चेहरों में से एक हैं और खासतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठाते रहे हैं। जानकारों का कहना है कि कानून का सम्मान तो हर किसी को करना होगा। अगर किसी शख्स ने विधिसम्मत काम नहीं किया हो, तो उसके खिलाफ राजनीतिक कार्रवाई होती है। लेकिन, जब मामला किसी राजनीतिक शख्सियत से जुड़ा हो तो कई तरह के सवाल भी उठ खड़े होते हैं। आज यही चर्चा कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की हवाई जहाज से उतारकर की गई गिरफ्तारी को लेकर देशभर में कांग्रेस द्वारा माहौल को गरमाया जा रहा है। पवन खेड़ा के विरुद्ध लखनऊ, वाराणसी और असम के हफलोंग थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 153बी, 500, 504 शामिल हैं। भाजपा प्रवक्ता ने पवन खेड़ा की गिरफ्तारी पर कहा है कि देश का कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है और कांग्रेस द्वारा हवाईअड्डे पर धरना देना यात्रियों के जीवन से खिलवाड़ करने जैसा है। पवन खेड़ा की गिरफ्तारी के बाद से ही सियासत गरमाई हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सरकार ने पवन खेड़ा को परेशान करने की कोशिश की। मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश से खुश हूं, यह उनके मुंह पर करारा तमाचा है। मैं भाजपा के इस कृत्य की निंदा करता हूं। संसद में भी हमें मुद्दे उठाने से रोका गया। वे बोलने की आजादी खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। लोकतंत्र खतरे में है।' कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि 'क्या भारत बनाना रिपब्लिक बन गया है।' समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा को कोसते हुए कहा कि यह इसी तरह से काम करती है, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी को कानून, संविधान और लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। खड़गे ने ट्वीट किया कि विपक्ष संसद में मुद्दे उठाए तो नोटिस दिया जाता है। महाधिवेशन के पहले छत्तीसगढ़ के हमारे नेताओं पर ईडी की छापेमारी कराई जाती है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को विमान से उतारकर गिरफ्तार किया गया। भारत के लोकतंत्र को मोदी सरकार ने हिटलरशाही बना दिया। हम इस तानाशाही की घोर निंदा करते हैं।' जिस पूर्व प्रधानमंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू को आज सत्तापक्ष पानी पी-पीकर कोसते हैं, उन्हीं नेहरू के प्रति भाजपा सर्वश्रेष्ठ कद्दावर नेता स्व. अटल बिहारी बाजपेई के मन में कितना सम्मान था, इसका उदाहरण यहां देना आवश्यक है। वर्ष 1977 में जब अटल बिहारी बाजपेई विदेश मंत्री बने तो कार्यभार ग्रहण करने के लिए साउथ ब्लॉक अपने दफ्तर पहुंचे तो उन्होंने गौर किया कि वहां लगी नेहरू की तस्वीर गायब थी। उन्होंने तुरंत अपने सेक्रेटरी से इस बारे में पूछा, तो उन्हें बताया गया कि कुछ अधिकारियों ने जानबूझकर पं. नेहरू की तस्वीर को वहां से हटा दिया है; क्योंकि पं. नेहरू विरोधी दल के नेता थे, लेकिन बाजपेई जी ने कहा कि उस तस्वीर को वहां फिर से लगा दिया जाए।

हाथरस कांड में अदालत के फैसले से पीड़िता के परिजनों में असंतोष

निचली अदालत ने जो फैसला सुनाया है, वह पुलिस के जुटाए तथ्यों के आधार पर ही दिया है। इसलिए पीड़ित पक्ष ऊपरी अदालत में इसे चुनौती देगा। उसे उम्मीद है कि वहां इस मामले की नए सिरे से जांच की कोशिश की जाएगी और सही तथ्यों को सामने लाने का प्रयास होगा। बलात्कार के मामलों में अक्सर उचित जांच और पर्याप्त सबूत न मिल पाने के कारण आरोपी मुक्त हो जाते हैं। विचित्र है कि उनमें से बहुत सारे मामलों में असली दोषी की पहचान नहीं हो पाती। हाथरस मामले में आए फैसले को लेकर भी पीड़िता के परिजनों में इसी के चलते असंतोष दिखाई दे रहा है। इस मामले में एक आरोपी को उम्रकैद की सजा और पचास हजार रुपए का जुर्माना लगा गया है। बाकी तीन आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया गया है। सजा पाए व्यक्ति को भी बलात्कार नहीं, बल्कि गैर-इरादतन हत्या और अनुसूचित जाति-जनजाति कानून के तहत दोषी पाया गया है। गौरतलब है कि करीब ढाई साल पहले हाथरस में अनुसूचित जाति की एक लड़की के साथ कथित रूप से सामूहिक बलात्कार करने के बाद उसे जान से मारने का प्रयास किया गया था। दिल्ली के एक अस्पताल में उसका इलाज चला, मगर उसे बचाया नहीं जा सका। उस मामले को लेकर लोगों में खासा आक्रोश दिखा था। लड़की की मौत के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने पीड़िता के परिवार की इजाजत के बगैर आधी रात को चुपके से उसका दाह संस्कार कर दिया था। जाहिर है, उसे लेकर देश भर में रोष पैदा हुआ था। सवाल उठा था कि आखिर पुलिस को यह अधिकार किसने दिया कि वह इस तरह दाह संस्कार करे। अब उस मामले में एक व्यक्ति को गैर-इरादतन हत्या का दोषी पाया गया है। यह तथ्य छिपा ही रह गया कि लड़की से बलात्कार का जो आरोप लगा था, उसमें कितनी सच्चाई थी। फिर इस घटना के बाद जिस तरह उत्तर प्रदेश पुलिस लगातार मामले पर पर्दा डालने का प्रयास करती रही, उसका क्या! आधी रात को पीड़िता के शव को जला देना भला कहां का न्याय था। इसलिए न्यायालय के इस फैसले को लेकर स्वाभाविक रूप से सवाल उठ रहे हैं। हालांकि पीड़ित पक्ष इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देगा, पर न्याय कब तक मिल पाएगा, कहना मुश्किल है। किसी भी आपराधिक मामले में न्याय इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी जांच में कितनी निष्पक्षता और पारदर्शिता बरती जाती है। यह काम चूंकि पुलिस को करना होता है और उत्तर प्रदेश पुलिस का रवैया शुरू से पक्षपातपूर्ण देखा गया, इसलिए अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि उसने इसमें कितनी संजीदगी से जांच की होगी। जिस पुलिस ने अस्पताल से शव को उठा कर रात के अंधेरे में दाह संस्कार कर दिया, उसकी जांच पर कितना भरोसा किया जा सकता है। बलात्कार और हत्या के मामले में अक्सर पुलिस का झुकाव रसूखदार लोगों के पक्ष में देखा जाता है। अगर आरोपी रसूखदार और समाज के तथाकथित ऊंचे तबके से है, तो पुलिस का झुकाव उसी की तरफ देखा जाता है। अगर बलत्कृता तथाकथित निम्न जाति से ताल्लुक रखती है, तो पुलिस प्रायः उसकी शिकायत तक दर्ज करने से भी बचती है। किसी न किसी बहाने उसे टालती रहती है। हाथरस कांड में भी उसका यही रवैया दिखाई दिया। निचली अदालत ने जो फैसला सुनाया है, वह पुलिस के जुटाए तथ्यों के आधार पर ही दिया है। इसलिए पीड़ित पक्ष ऊपरी अदालत में इसे चुनौती देगा। उसे उम्मीद है कि वहां इस मामले की नए सिरे से जांच की कोशिश की जाएगी और सही तथ्यों को सामने लाने का प्रयास होगा। मगर फिर भी सहयोग तो पुलिस से ही लेना पड़ेगा और वह अपनी गलतियों को सुधारने या अपने पेश किए गए गलत तथ्यों को सही करने की कितनी ईमानदारी दिखाएगी।

व्यापार

छंटनी की तलवार लटकी तो जापान में भी गूगल के कर्मचारियों ने बना ली यूनियन

टोक्यो। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में कर्मचारियों की छंटनी जारी रहने के बीच गूगल की जापान शाखा के कर्मचारियों ने यूनियन बना ली है। जापान में इस तरह की कोई ट्रेड यूनियन बनने का यह पहला मौका है। इसका नाम गूगल जापान यूनियन रखा गया है। अमेरिकी टेक कंपनियों ने अमेरिका स्थित कर्मचारियों की छंटनी करने के बाद अब विदेशों में स्थित अपनी शाखाओं में भी ऐसे कदम उठा रही हैं। जापान में भी कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी का अंदेशा है। इसे देखते हुए गूगल जापान यूनियन ने इस हफ्ते कंपनी अधिकारियों को एक पत्र भेजा। उसमें उन्होंने कहा कि ऐसे किसी कदम के पहले यूनियन को 'सामूहिक सौदेबाजी' का मौका मिलना चाहिए। यूनियन का दावा है कि गूगल के दर्जनों कर्मचारी उससे जुड़ चुके हैं और जल्द ही दर्जनों और कर्मचारी उसका हिस्सा बनेंगे। गूगल की मालिक कंपनी अल्फाबेट ने इस वर्ष जनवरी में एलान किया था कि वह अपने 12 हजार कर्मचारियों को नौकरी से हटाएगी। यह संख्या गूगल में काम करने वाले कुल कर्मचारियों का छह प्रतिशत है। गूगल जापान यूनियन के अध्यक्ष शिन्जी ओकुयामा ने बताया कि उनकी तरफ से फरवरी में कंपनी को एक पत्र भेजा गया था। उसमें कंपनी को बताया गया था कि कर्मचारी मार्च में एक सूचना उसे देंगे। अब कंपनी को आधिकारिक तौर पर यूनियन के गठन के बारे में बता दिया गया है। कर्मचारियों के मुताबिक जब गूगल ने दूसरी जगहों पर छंटनी शुरू की, तो जापान स्थित कर्मचारियों में भी डर फैल गया। इसकी वजह से यूनियन बनाने की कोशिश को कंपनियों का पूरा समर्थन मिला है। इस बीच इस गुरुवार को गूगल के जापान स्थित कई कर्मचारियों को कंपनी की तरफ से एक ई-मेल मिला।

रुपए में कर सकते हैं भारत-श्रीलंका व्यापार ?

कोलंबो। भारत और श्रीलंका भारतीय मुद्रा में व्यापार करने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो इससे ना सिर्फ दोनों देशों को आर्थिक तौर पर फायदा होगा बल्कि इससे दोनों देशों के संबंध भी मजबूत होंगे। श्रीलंका में भारत के राजदूत ने गुरुवार को एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें दोनों देशों के बीच भारतीय रुपए में व्यापार करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। भारतीय उच्चायोग ने बयान जारी कर बताया बैंक ऑफ सिलोन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और अन्य भारतीय बैंकों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए और जानकारी दी कि भारतीय रिजर्व बैंक और श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने 2022 में एक फ्रेमवर्क बनाकर तैयार कर लिया है औरअकाउंट्स के जरिए भारतीय मुद्रा में व्यापार शुरू हो जाएगा। बता दें कि रुपए में दोनों देशों के बीच व्यापार होने से समय सीमा में कमी आएगी, एक्सचेंज लागत कम होगी और ट्रेड क्रेडिट भी आसानी से उपलब्ध होगा। इससे पर्यटन उद्योग को भी फायदा होगा। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने बताया कि भारतीय रुपए में लेन-देन होने से दोनों देशों के बीच संबंध भी मजबूत होंगे। श्रीलंका के वित्त मंत्री शेहान सेमासिंघे ने भी दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों की तारीफ की और बीते साल के आर्थिक संकट के दौरान भारत द्वारा आर्थिक और मानवीय मदद देने के लिए आभार भी जताया। भारत ने पिछले साल आर्थिक संकट के समय श्रीलंका को 3.8 बिलियन डॉलर की आर्थिक मदद दी थी। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक सीबीएसएल के गवर्नर पी नंदलाल वीरासिंघे ने बताया कि दोनों देशों का व्यापारिक वर्ग भी चाहता है कि दोनों के बीच रुपए में लेनदेन हो। उच्चायुक्त द्वारा बुलाई गई बैठक में दोनों देशों के 300 से ज्यादा लोग मौजूद रहे और बड़ी संख्या में लोग वर्चुअली जुड़े।

35 साल बाद फिर साथ हुए करीना कपूर के मम्मी-पापा!

पत्नी बबीता के साथ रहने के लिए रणधीर कपूर ने बांद्रा में खरीदा घर, कपल ने शिफ्ट किया सामान

एक्ट्रेस करीना कपूर और करिश्मा कपूर के मम्मी-पापा 35 साल बाद गिले-शिकवे भुलाकर दोबारा साथ आ गए हैं। बबीता और रणधीर कपूर ने एक बार फिर साथ रहने का फैसला कर लिया है। दोनों ने अपना सामान बांद्रा के नए घर में शिफ्ट कर लिया है। ईटाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक कपल का रीयूनियन 7 महीने पहले ही हो गया था, लेकिन इसे मीडिया की नजरों से छिपाकर रखा गया था। रणधीर इससे पहले चेंबूर के पुश्तैनी घर में रहते थे, हालांकि बबीता के साथ शिफ्ट होने के लिए उन्होंने बांद्रा में नया फ्लैट लिया था। खबरों की मानें तो रणधीर के पुराने घर में बदलाव करना मुश्किल था, जिस वजह से उन्होंने शहर के बीचो-बीच फ्लैट लेने का फैसला लिया।

2008 में साथ शिफ्ट होने वाले थे बबीता-रणधीर

2008 में खबरें आई थीं कि बबीता और रणधीर साथ शिफ्ट होने वाले हैं। तब रणधीर ने मुंबई मिरर को दिए इंटरव्यू में अपना रिएक्शन दिया था। इस दौरान रणधीर ने कहा- 'यह अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन ऐसा जरूर हो सकता है।'हालांकि, उस समय ऐसा नहीं हो सका था। रणधीर और बबीता ने 1971 में शादी की थी लेकिन आपसी मतभेदों के चलते कपल ने 1988 में अलग होने का फैसला लिया। बबीता RK हाउस छोड़कर करीना और करिश्मा के साथ लोखंडवाला के

तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में आरोपी शीजान खान को बड़ी राहत

दो महीने अंदर रहने के बाद मिली जमानत, बहन ने कहा- खुशियों के दिन आ गए

तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में मुख्य आरोपी शीजान खान कोर्ट ने जमानत दे दी है। हालांकि शीजान के देश से बाहर जाने पर पाबंदी है। कोर्ट ने उसका पासपोर्ट जमा कराने को कहा है। तुनिषा ने 24 दिसंबर 2022 को शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तुनिषा की मां की शिकायत पर शीजान को 25 दिसंबर को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वो तभी से जेल में बंद था। इस दौरान उसके वकील ने कई बार जमानत के लिए अर्जी डाली लेकिन कोर्ट ने उन अर्जियों को हमेशा खारिज कर दिया। वसई कोर्ट ने शीजान को एक लाख के बॉन्ड पर जमानत दी है। शीजान के परिवार वालों ने इस मौके पर खुशी जाहिर की है। शीजान की बहन फलक नाज ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, 'सब्बे बारात से पहले बेल हो गई, रहमत बरकतों के दिन आ रहे हैं। अल्लाह पाक सबको खुशियों से भर दें।' शीजान खान की गिरफ्तारी 25 दिसंबर 2022 को हुई थी। उसके बाद से ही वो कई बार जमानत के लिए अर्जी दाखिल कर चुका था। 13 जनवरी को हुई सुनवाई में वसई कोर्ट ने शीजान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद शीजान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। 17 फरवरी को हाईकोर्ट से भी शीजान को राहत नहीं मिल पाई थी। इस मामले की जांच कर रही वालिव पुलिस ने 500 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी।

तुनिषा ने सेट पर फांसी लगाकर सुसाइड किया था

टीवी एक्ट्रेस तुनिषा ने 24 दिसंबर को शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तुनिषा के खुदकुशी करने के कुछ ही घंटे के बाद उनकी मां की शिकायत पर उनके को-स्टार शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। शीजान पर खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया था। बता दें कि, शीजान और तुनिषा करीब 4 महीने से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। एक्ट्रेस की सुसाइड वाली घटना से 15 दिन पहले ही दोनों का ब्रेकअप हुआ था।

अक्षय कुमार ने घाघरा पहनकर नोरा के साथ किया डांस- वीडियो देख लोग बोले- अब फिल्मों से पैसे आ नहीं रहे तो ऐसे ही कमाओ

अक्षय कुमार की फिल्में पिछले एक-डेढ़ सालों से बिल्कुल नहीं चल रही हैं

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्में पिछले एक-डेढ़ सालों से बिल्कुल नहीं चल रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'सेल्फी' रिलीज हुई, लेकिन ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई है। इसी बीच अक्षय इन दिनों अपने 'द एंटरटेनर्स टूर' के लिए यूएस में हैं। इस टूर में उनके साथ नोरा फतेही, मौनी रॉय, सोनम बाजवा, दिशा पाटनी सहित तमाम स्टार्स शामिल हैं। इसी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक्टर घाघरा पहनकर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में अक्षय कुमार स्टेज पर घाघरा पहनकर डांस परफॉरमेंस दे रहे हैं। इस दौरान उनके साथ बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन नोरा फतेही भी नजर आ रही है। वीडियो में दोनों एक्टर्स सेल्फी के गाने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी पर थिरकते हुए दिखाई दिए।

यूजर्स कर रहे कमेंट

एक तरफ जहां अक्षय कुमार के फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ कुछ सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो पर कमेंट करते हुए एक्टर का मजाक उड़ा रहे हैं। वीडियो पर एक यूजर ने एक्टर को ट्रोल करते हुए लिखा, 'यही देखना बाकी था अब'।

श्रद्धा कपूर ने एयरपोर्ट पर लगाए ठुमके

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म तू झूठी मैं मक्कार का लगातार प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उन्होंने पैपराजी के साथ डांस ही नहीं किया बल्कि एक फैंस के साथ केक भी काटा है। दरअसल, कल यानी 3 मार्च को एक्ट्रेस का 36वां बर्थडे था। इस खास मौके पर उनके फैंस श्रद्धा के लिए एयरपोर्ट पर केक लेकर पहुंचे थे। इस वीडियो में श्रद्धा एयरपोर्ट पर अपनी कार से बाहर निकलती हुई दिख रही हैं। इस दौरान वह कैजुअल लुक में नजर आई। जहां उन्होंने एक मीडिया पर्सन के साथ अपनी फिल्म के गाने %शो मी द ठुमका% पर डांस किया। श्रद्धा का ये अंदाज फैंस को काफी पसंद आया। इसके अलावा एक्ट्रेस ने एक फैन के साथ केक भी काटा है। बता दें, लव रंजन के निर्देशन में बनी रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म %तू झूठी मैं मक्कार% 8 मार्च 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में पहली बार श्रद्धा और रणबीर की जोड़ी देखने को मिलेगी। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है

बढ़े वजन की वजह से ट्रोल हुई जरीन खान- जिम के बाहर आई नजर, वीडियो देख यूजर्स बोले- बहुत ज्यादा मोटी हो गई हो

सलमान खान की फिल्म से बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखने वाली एक्ट्रेस जरीन खान इन दिनों सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें जिम के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस जिम आउटफिट में नजर आई, लेकिन उनका ये अंदाज फैंस को पसंद नहीं आया और सोशल मीडिया वह फैट शेमिंग का शिकार हो गई। इस वीडियो में जरीन जिम से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस ने व्हाइट टीशर्ट के साथ प्रिंटेड पैंट पहना हुआ है, इस दौरान उन्होंने मुस्कुराते हुए पैपराजी को पोज भी दिए। अब सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उनके बढ़े वजन का मजाक उड़ाते हुए लिखा,'अरे कितनी मोटी हो गई हो'। तो वहीं दूसरे ने लिखा,'मुझे लगा डॉली बिंद्रा का अपडेटेड वर्जन है, पर ये तो जरीन खान हैं'। ऐसे ही कई लोगों ने इस वीडियो पर अपने रिएक्शन दिए हैं। बता दें, जरीन खान को फिल्म इंडस्ट्री में 13 साल हो चुके हैं। सलमान खान के साथ उनकी पहली फिल्म 'वीर' बॉक्स ऑफिस पर तो नहीं चली थी, लेकिन अपनी खूबसूरती की वजह से इन्हें लोग कटरीना कैफ से कंपेयर करते हैं। लोगों का कहना था की जरीन, कटरीना कैफ की तरह दिखती हैं। हालांकि जरीन फिलहाल फिल्मों से दूरी बनाए हुए हैं लेकिन सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव हैं।

पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज ने दिया जवाब

पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू ने एक्ट्रेस उपासना सिंह द्वारा उनके खिलाफ चंडीगढ़ कोर्ट में दायर 1 करोड़ रुपए रिकवरी सूट केस पर जवाब पेश किया है। उपासना सिंह ने हरनाज समेत 14 अन्यों के खिलाफ बीते वर्ष 4 अगस्त को चंडीगढ़ कोर्ट में 'बाई जी कुटणगें' नामक पंजाबी फिल्म से जुड़े विवाद को लेकर कोर्ट में केस दायर किया था। हरनाज ने कहा है कि वह अपनी डेब्यू फिल्म को लेकर काफी उत्सुक थी। वह फिल्म के लीड मेंबर्स के साथ लगातार संपर्क में थी। उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया है। उपासना सिंह कपिल शर्मा शो में बुआ के किरदार से काफी चर्चित हुई थी। उपासना ने हरनाज पर उनकी पंजाबी मूवी को लेकर किए कॉन्ट्रैक्ट की उल्लंघना के आरोप लगाए थे। मामले में अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी।

पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू ने एक्ट्रेस उपासना सिंह द्वारा उन लगाए सभी आरोपों को गलत ठहराया है। हरनाज ने अपने जवाब में कहा है कि उपासना सिंह ने सिविल सूट(केस) में कई तथ्यों को कोर्ट से छिपाया है। वहीं एग्रीमेंट अस्पष्ट, गुमराह करने वाला, फर्जी और याची तथा उसकी फर्म द्वारा प्रतिशोधी दिमाग वाला था। इसमें फिल्म की प्रोमोशन को लेकर कोई तय समय अवधि नहीं थी। वहीं कहा कि उसने एग्रीमेंट की किसी शर्त की उल्लंघना नहीं की, क्योंकि संबंधित समयकाल में उसने किसी भी प्रोड्यूसर या फिल्ममेकर को किसी अन्य फिल्म या टीवी सीरियल की शूटिंग के लिए डेट्स नहीं दी। हरनाज ने आरोप

किलियन एम्बाप्पे ने तोड़ा कवानी का रिकॉर्ड

पीएसजी के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने

पेरिस, एजेंसी

किलियन एम्बाप्पे शनिवार को फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनकी टीम ने लीग वन में नांतेस पर 4-2 से जीत हासिल की। एम्बाप्पे ने इंजरी टाइम में गोल किया। यह पीएसजी के लिए उनका 201वां गोल था जो कि सबसे ज्यादा है। फ्रांस के इस स्टार फुटबॉलर ने मर्साइल के खिलाफ पिछले हफ्ते की जीत में गोल के साथ एडिन्सन कवानी के 200 गोल के पिछले रिकॉर्ड की बराबरी की थी। अब पार्क डेस प्रिंसेस में इंजरी टाइम में गोल दाग अपना रिकॉर्ड कवानी से बेहतर कर लिया।

पीएसजी ने शुरुआती 20 मिनट में ही दो गोल की बढ़त ले ली थी। लियोनल मेसी ने 12वें और नांतेस के जावेन हदजाम ने 17वें मिनट में आत्मघाती गोल किया। इसके बाद लुडोविक ब्लास ने 31वें और इग्नाटियस गनागो ने 38वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद एम्बाप्पे के असिस्ट पर डेनिलो परेरा ने गोल दाग पीएसजी को बढ़त दिला दी। स्टोपेज टाइम में एम्बाप्पे ने गोल दाग रिकॉर्ड अपने नाम किया और साथ ही पीएसजी को जीत दिलाई। 2017 में 18 साल की उम्र में मोनाको को छोड़कर पीएसजी के लिए साइन करने के बाद से एमबीप्पे सिर्फ 247 मैच में 201 गोल तक पहुंचे हैं। उरुग्वे के स्टार कवानी ने 2020 में रिकॉर्ड बनाया था। हालांकि, इसके लिए उन्होंने पीएसजी के लिए 298 मैच खेले थे और सात साल लगे थे। 24 वर्षीय एम्बाप्पे को मैच के बाद क्लब द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित भी किया गया।अब पीएसजी ने लीग-वन में दूसरे स्थान पर काबिज मर्साइल पर 11 अंकों की बढ़त ले ली है। अब पीएसजी की टीम चैंपियंस लीग के दूसरे लेग के मैच के लिए बायर्न म्यूनिख जाएगी। यह मैच बुधवार को खेला जाएगा। पीएसजी की टीम फिलहाल बायर्न के खिलाफ 1-0 से पीछे चल रही है। दूसरे लेग में हार के साथ ही टीम चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल से बाहर हो जाएगी।

लुईस हैमिल्टन ने रोक के बावजूद ज्वेलरी पहनकर एफ-1 में कार दौड़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी

फॉर्मूला वन कार रेसिंग की शीर्ष वैश्विक संस्था एफआईए ने सात बार के एफ-1 चैंपियन ब्रिटेन के रेसर लुइस हैमिल्टन की नाक और कानों में पहने आभूषण की जांच करने के बाद ही उन्हें बहरीन में होने ग्रां प्री के लिए अभ्यास रेस में शामिल होने की अनुमति प्रदान की। पिछले साल हैमिल्टन का एफआईए से इस बात को लेकर टकराव हो गया था कि उन्होंने नाक में सोने की ज्वेलरी पहन रखी थी।

एफआईए ने एफ-1 रेस में नोजपिन (ज्वेलरी) पहनकर उतरने पर रोक लगा दी थी। इस पर हैमिल्टन ने तर्क दिया है कि वह नाक में पहनी अपनी ज्वेलरी को निकाल नहीं सकते क्योंकि पहले वह ऐसा करते रहे हैं और इस कारण उनकी नाक में छाला हो जाता है। हैमिल्टन ने बाद में कहा है कि उनके आभूषणों को अनावश्यक इतना तूल दिया जा रहा है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। केवल वहीं एकमात्र एफ-1 रेसर हैं जो ऐसे आभूषण पहनते हैं। लोग अपने को शक्तिशाली दिखाना और साबित करना चाहते हैं। एफआईए ने अपने बयान में कान में पहने नोजपिन (नाक में सोने का आभूषण) का जिक्र नहीं किया लेकिन कहा कि हैमिल्टन को चिकित्सकीय आधार पर विशेष छूट दी गई है। चिकित्सा विशेषज्ञों की राय ली गई। नाक से नोजपिन को बार-बार हटाने लगाने से हैमिल्टन को परेशानी हो सकती है।

इस कारण मिली विशेष छूट

इस कारण मिली थी हैमिल्टन को छूट

पिछले साल मई में जब एफआईए ने आभूषणों पर रोक का फैसला लागू किया था तब हैमिल्टन विरोधस्वरूप मियामी ग्रां प्री में कई घड़ियां और अंगूठी पहनकर उतरे थे। उन्होंने तो यह भी धमकी दी थी कि वह रेसों में भाग लेने से भी हट सकते हैं। उसके बाद एफआईए ने छूट प्रदान कर दी। हैमिल्टन उसके बाद मोनाको में भी नोजपिन पहनकर खेले थे। हैमिल्टन ने कहा कि हर हफ्ते इस तरह के मुद्दों की जगह हमें कुछ बड़ा करने पर सोचना चाहिए।

पिछले साल नहीं जीत पाए कोई खिताब

ब्रिटेन के स्टार रेसर पिछले साल अपने करियर में पहली बार कोई ग्रां प्री नहीं जीत पाए। यहां तक कि उन्हें पोल पोजीशन भी हासिल नहीं हुई थी। शुक्रवार को उन्होंने पहले अभ्यास सत्र में उन्होंने दसवां तेज समय निकाला। दूसरे सत्र में वह आठवें स्थान पर रहे। उन्होंने कहा कि अभी बहुत कुछ काम किए जाने की जरूरत है। उन्हें लगता है कि वह इस सीजन में अपना रिकॉर्ड आठवां खिताब जीत सकते हैं। पिछले साल वह अबुधाबी में आठवें खिताब के करीब थे लेकिन उन्हें अंतिम चक्र में वर्स्टापेन से हार का सामना करना पड़ा ।

9 मार्च को ऑस्ट्रेलियाई पीएम के साथ स्टेडियम में बैठकर टेस्ट मैच देखेंगे पीएम मोदी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा और आखिरी टेस्ट अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 9 मार्च से 13 मार्च तक खेला जाना है। ताजा खबर है कि मैच के पहले दिन यानी 9 मार्च को दोनों देशों के प्रधानमंत्री भी स्टेडियम में मौजूद रहेंगे और साथ बैठकर क्रिकेट का लुत्फ उठाएंगे।

भारतीय विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीस 8 मार्च को अहमदाबाद पहुंचेंगे। यहां पीएम मोदी के साथ क्रिकेट देखने को बाद 9 मार्च को मुंबई जाएंगे। इसके बाद दिल्ली पहुंचेंगे।

एंथोनी अल्बनीज नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया-भारत वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस तरह ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री 8 से 11 मार्च तक भारत की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। 2017 के बाद से किसी ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा होगी।

चार टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 2-1 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने इंदौर में खेला गया चौथा टेस्ट जीता है। इंदौर में पिच चर्चा में रही थी। टीम इंडिया यहां पूरी तरह नाकाम रहा और मुकाबला तीसरे दिन ही खत्म हो गया।

उम्मीद की जा रही है कि अहमदाबाद में पिच बल्लेबाजी के अनुकूल रहेगी और रन बरसेंगे। यह मुकाबला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए खासा महत्वपूर्ण है।

एक बार फिर करते हुए नजर आएंगे चौके-छक्के की बरसात

प्रमुख टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि की

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। एलएलसी 2023 की शुरुआत 10 मार्च को दोहा में होगी। भारत के लिए 78 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 1605 रन बनाने वाले रैना ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा सम्मान की बात होती है।

रैना ने एलएलसी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, %मेरा ध्यान लीजेंड्स लीग क्रिकेट मास्टर्स में हिस्सा लेने पर लगा है। प्रारूप ऐसा है कि दोबारा भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिलेगा। आपके देश के प्रतिनिधित्व करना हमेशा सम्मान की बात होती है। हम इस बार ट्रॉफी घर लाने की कोशिश करेंगे। मेरा सभी लीजेंड्स के साथ खेलने पर ध्यान लगा है।

बता दें कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट में तीन टीमें- इंडिया महाराजास, एशिया लायंस और वर्ल्ड जायंट्स हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के मुकाबले दोहा में एशियन टाउन क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इंडिया महाराजास के कप्तान गौतम गंभीर होंगे। एशिया लायंस की कप्तानी शाहिद अफरीदी करेंगे और वर्ल्ड जायंट्स की कमान आरोन फिंच संभालेंगे।लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सीईओ और सह-संस्थापक रमन राहेजा ने कहा, हमने इस सीजन के लिए 20 नए सीनियर खिलाड़ियों को जोड़ा है। हमारा पूल 50 खिलाड़ियों का हो गया है। हम रैना और हरभजन सिंह का लीजेंड्स लीग क्रिकेट में स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इंडिया महाराजास के लिए इन दिग्गजों से कुछ बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिलेंगे।% बता दें कि इंडिया महाराजास अपना पहला मुकाबला 10 मार्च को एशिया लायंस के खिलाफ खेलेंगे।

नोवाक जोकोविच के जीत का क्रम टूटा, दानिल मेदवेदेव ने हराया

दुबई, एजेंसी

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के इस सीजन में लगातार 15 जीत का क्रम टूट गया है। दुबई फाइनल के सेमीफाइनल में उन्हें रूस के दानिल मेदवेदेव ने हरा दिया। मेदवेदेव ने विश्व नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ 6-4, 6-4 से मैच को जीतकर फाइनल में जगह बनाई। वहां उनका मुकाबला रूस के ही आंद्रे रूबलेव से होगा। मेदवेदेव ने पिछले 18 दिन में 13 मैच जीते हैं।

मेदवेदेव को नोवाक जोकोविच के खिलाफ पिछले चार मैचों में हार मिली थी। इस बार उन्होंने इस क्रम को तोड़ा और 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच को हरा दिया। 27 साल के मेदवेदेव की नजर तीन हफ्ते में तीसरे खिताब पर है। उन्होंने रोटरडैम और दोहा में जीत हासिल की थी। मेदवेदे ने मैच के बाद कहा, हर बार जब मैं नोवाक को हराता हूं तो यह एक अद्भुत अहसास होता है। वह शायद अब तक के सबसे महान टेनिस खिलाड़ी हैं। उनके खिलाफ जीत से आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होती है।हार के बाद जोकोविच ने कहा कि वह बहुत सारी सकारात्मकताओं के साथ दुबई से जा रहे हैं। वह अपने बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट से उबरने के बाद शारीरिक रूप से मजबूत महसूस कर रहे हैं।

किरोन पोलार्ड ने खेली धुआंधार पारी, टी20 क्रिकेट में ये कारनामा करने वाले बने तीसरे बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने पीएसएल 2023 में मुल्तान सुल्तांस के लिए खेलते हुए टी20 क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पोलार्ड ने लाहौर कलंदर्स के खिलाफ 28 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 39 रन की धुआंधार पारी खेली।

किरोन पोलार्ड ने इसी के साथ टी20 क्रिकेट में 12,000 रन पूरे कर लिए हैं। पोलार्ड दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बने, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 12,000 या ज्यादा रन बनाए। इससे पहले वेस्टइंडीज के पूर्व ओपनर क्रिस गेल और पाकिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर शोएब मलिक ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में ये आंकड़ा पार किया है।

पोलार्ड ऐसे अकेले खिलाड़ी

किरोन पोलार्ड ने अपने टी20 करियर के 620वें मैच में यह आंकड़ा पार किया। पोलार्ड के अब 620 मैचों में एक शतक और 56 अर्धशतकों की मदद से 12023 रन हो गए हैं। इस प्रारूप में उन्होंने 311 विकेट भी चटकाए हैं। पोलार्ड दुनिया के अकेले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 600 या ज्यादा टी20 मैच खेले हैं।

800 छक्के पूरे किए

इस मैच में किरोन पोलार्ड ने अपने टी20 करियर के 800 छक्के भी पूरे किए। पोलार्ड टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा जमाने के मामले में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। क्रिस गेल 1056 छक्के के साथ इस लिस्ट में टॉप पर हैं। वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल 587 छक्के के साथ इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। ब्रेंडन मैकुलम (485) और कॉलिन मुनरो (473) इस लिस्ट में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

मैच का क्या रहा नतीजा

लाहौर कलंदर्स और मुल्तान सुल्तांस के बीच लाहौर में मुकाबला खेला गया। लाहौर कलंदर्स ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 180 रन बनाए। अब्दुल्लाह शफीक (48) और सैम बिलिंग्स (54) ने अर्धशतक जमाए। मुल्तान सुल्तांस की तरफ से किरोन पोलार्ड, अब्बास अफरीदी, इहसानुल्लाह और अनवर अली ने दो-दो विकेट लिए। समीन गुल को एक सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मुल्तान सुल्तांस की टीम केवल 7 विकेट खोकर 159 रन बना पाई। किरोन पोलार्ड (39) टीम के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। लाहौर कलंदर्स की तरफ से राशिद खान ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। जमान खान, हैरिस रउफ, सिकंदर रजा और हुसैन तलत को एक-एक विकेट मिला। राशिद खान को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने मध्यप्रदेश को विशाल अंतर से दी मात

यशस्वी जायसवाल रहे मैच के हीरो

नई दिल्ली, एजेंसी। रेस्ट ऑफ इंडिया ने ईरानी कप के मैच में मध्यप्रदेश को 238 रन के विशाल अंतर से मात दी। ग्वालियर में खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करके पहली पारी में 484 रन बनाए। जवाब में मध्यप्रदेश की पहली पारी 294 रन पर सिमटी।

शेष भारत को पहली पारी के आधार पर 190 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके बाद शेष भारत की दूसरी पारी 246 रन पर ऑलआउट हुई और मध्यप्रदेश को जीत के लिए 437 रन का लक्ष्य मिला। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए मध्यप्रदेश की दूसरी पारी केवल 198 रन पर ऑलआउट हुई।

रेस्ट ऑफ इंडिया की जीत के हीरो यशस्वी जायसवाल रहे। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पहली पारी में 213 रन बनाए। फिर दूसरी पारी में उन्होंने 144 रन बनाए। रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चल पाया। मध्यप्रदेश की तरफ से दूसरी पारी में आवेश खान, अंकित कुशवाह, सारांश जैन और शुभम शर्मा को दो-दो विकेट मिले। कुमार कार्तिकेय को एक सफलता मिली।

मध्यप्रदेश का खराब प्रदर्शन

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत बेहद खराब रही। मुकेश कुमार ने अरहम अकील को खाता भी नहीं खोलने दिया और एलबीडब्ल्यू आउट किया। कप्तान हिंमाशु मंत्री (51) ने अर्धशतक जमाया, लेकिन उन्हें अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। हर्ष गवली (48), अमन सोलंकी (31) और अंकित कुशवाह (23) ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन यह काफी नहीं था।

रेस्ट ऑफ इंडिया की तरफ से सौरभ कुमार ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। पुलकित नारंग, अतीत सेठ और मुकेश कुमार को दो-दो विकेट मिले। नवदीप सैनी एक विकेट लेने में सफल रहे।

ईरान के राष्ट्रपति ने कहा- विदेशी दुश्मन दे रहे हैं स्कूली छात्राओं को जहर, साजिश का है हिस्सा

तेहरान, एजेंसी।
ईरान में बीते दिनों से कई लड़कियों को स्कूल जाने से रोकने के लिए जहर देने का मामला सामने आया था। इस घटना के लिए ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी दुश्मन देशों पर इसका आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश भर में एक के बाद एक सैकड़ों स्कूली छात्राओं के जहर देने के लिए तेहरान के दुश्मन देश जिम्मेदार है।

दुश्मन देश दे रहें हैं ईरान की छात्राओं को जहर- रईसी: दक्षिणी ईरान में शुक्रवार को एक सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रईसी ने देश के दुश्मनों पर छात्राओं को जहर दिए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में अफरा-तफरी मचाने के लिए यह एक साजिश है। दुश्मन देश ईरान के माता-पिता और छात्रों के बीच भय एवं असुरक्षा उत्पन्न करना चाहते हैं। हालांकि राष्ट्रपति ने किसी देश का नाम नहीं लिया। ईरान के नेता अकसर अमेरिका, इजरायल और अन्य देशों पर आरोप लगाते रहते हैं। ईरान में अभी तक चार शहरों में 30 से ज्यादा स्कूलों की छात्राओं को जहर देने की घटना सामने आई है। इस घटना की शुरुआत नवंबर में ईरान के क्योम शहर से हुई थी। इसके बाद कई माता-पिता ने अपने बच्चों रक्षा के लिए उन्हें स्कूल से वापस ले लिया था। ईरान के स्वास्थ्य मंत्री ने मंगलवार को कहा था कि विभिन्न स्कूलों की सैकड़ों छात्राएं जहर दिन की घटना का शिकार हुई है। कुछ नेताओं का मानना है कि लड़कियों की शिक्षा के विरोधी धार्मिक समूहों ने उन्हें निशाना बनाया होगा।

माता-पिता ने सरकार से मांगा स्पष्टीकरण= समाचार एजेंसी ने प बताया था कि क्यूम स्कूलों में कई छात्रों को जहर दिए जाने के बाद, यह पाया गया कि कुछ लोग चाहते थे कि सभी स्कूलों को खासकर लड़कियों के लिए बंद कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि अभी तक जहर देने के मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आईआरएनए ने बताया कि 14 फरवरी को, बीमार छात्रों के माता-पिता अधिकारियों से स्पष्टीकरण की मांग करने के लिए शहर के बाहर इकट्ठा हुए थे।

मंत्रालय कर रहा जांच: सरकार के प्रवक्ता अली बहादोरी जहरोमी ने कहा कि खुफिया और शिक्षा मंत्रालय विषाक्तता के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले हफ्ते, अभियोजक जनरल मोहम्मद जाफर मोंटाजेरी ने घटनाओं की न्यायिक जांच का आदेश दिया। बता दें महिलाओं के लिए देश के सख्त ड्रेस कोड के कथित उल्लंघन के लिए 22 वर्षीय ईरानी कुर्द महसा अमिनी की हिरासत में 16 दिसंबर को हुई मौत के बाद से ईरान में ऐसी घटनाएं बढ़ गई हैं।

इंडियानापोलिस अपार्टमेंट शूटिंग मामले में तीन लोग पाए गए दोषी, सभी को गिरफ्तार करने का दिया आदेश

इंडियानापोलिस, एजेंसी।
अमेरिका के इंडियानापोलिस स्थित एक अपार्टमेंट में तीन युवकों और एक युवती की गोली मारककर हत्या करने वाले मामले में तीन इंडियानापोलिस पुरुषों को हत्या और अन्य आरोपों का दोषी ठहराया गया है।

मैरियन काउंटी के अभियोजक रयान मियर्स ने कहा कि कैमरून बैंक, डेसमंड बैंक और लेसीन वाटकिंस को हत्या, गुंडागर्दी और डकैती के चार मामलों में दोषी ठहराया गया है। बता दें कि इन सभी पर फरवरी 2020 में ब्रेक्सटन फोर्ड, किमारी हंट, जालन रॉबर्ट्स और मार्सेल विल्स की गोली मारकर हत्या करने के आरोप लगे है।

इस मामले में चौथा आरोपी रोड्रिएन्स एंडरसन को पिछले साल अक्टूबर में लूट के चार मामलों में दोषी ठहराया गया था। मेयर जो हॉगसेट ने एक संवाददाता सम्मेलन में चारों की गिरफ्तारी की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने इंडियानापोलिस मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के प्रयासों की प्रशंसा की। अदालत ने फैसला सुनाते हुए मेयर ने कहा कि चारों युवा आरोपियों की जिंदगी एक मूर्खतापूर्ण हिंसा के कारण खराब हो गई है। इन सभी पर लगे आरोप प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित होगा। इस मामले में एक गवाह ने जासूसों को बताया कि हत्या की रात वह अपार्टमेंट में था और उसने जैकेट में तीन लोगों को देखा था। उल्लेखनीय है कि इंडियानापोलिस स्थित एक अपार्टमेंट से तीन लोगों के शव मिले थे। तीनों मृतकों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले थे। इंडियानापोलिस महानगर पुलिस विभाग की अधिकारी सैमोन बरिस ने बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलने पर शहर के उत्तर-पश्चिम में स्थित ओक्स ऑफ ईगल क्रीक अपार्टमेंट पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने तीन वयस्कों को मृत पाया। पुलिस ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जांचकर्ताओं का मानना है कि यह संभवत- हत्या के बाद आत्महत्या करने का मामला है।

निक्की हेली की चेतावनी-अमेरिका का सबसे मजबूत और अनुशासित शत्रु है चीन

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने की दावेदार निक्की हेली ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के सामने अब तक का सबसे मजबूत और अनुशासित दुश्मन साम्यवादी चीन है। रिपब्लिकन पार्टी के शीर्ष वार्षिक कार्यक्रम 'कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कांफ्रेंस में दिए प्रभावशाली भाषण में भारतीय मूल की अमेरिकी हेली ने सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की आलोचना करते हुए उसे ''समाजवादी पार्टी बताया।

उन्होंने भाषण में अमेरिका की विदेश नीति पर अपना ध्यान केंद्रित किया और कहा कि अमेरिका को उन देशों को मदद नहीं देनी चाहिए जो उससे नफरत करते हैं। उन्होंने हाल में जासूसी गुब्बारे वाली घटना का उल्लेख करते हुए कहा, ''मैंने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि अमेरिकी नागरिक आसमान में देखेंगे और पाएंगे कि चीन का एक खुफिया गुब्बारा हम पर नजर रख रहा है। यह राष्ट्रीय शर्मिंदगी की बात थी। हेली ने कहा, ''कोई गलती मत करना - साम्यवादी चीन हमारे सामने सबसे मजबूत और अनुशासित दुश्मन है। हमें चीन को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता है।

कोविड से शुरू कीजिए और गिरोहों के बारे में बात करने से पहले हमें यह देखने की जरूरत है कि चीन वह देश है जो हमारी सीमा में फेंटानिल भेज रहा है। हेली (51) ने 14 फरवरी को राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए मैदान में उतरने की घोषणा की थी। उसके बाद से ही उन्होंने अपनी पार्टी तथा राष्ट्रीय जनता का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है।

ऑस्ट्रेलिया में थम नहीं रहा हिंदू मंदिरों पर हमले का सिलसिला, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में की तोड़फोड़

ब्रिस्बेन, एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों पर हमला करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ब्रिसबेन के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में खालिस्तान समर्थकों के द्वारा तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। मंदिर के अध्यक्ष सतिंदर शुक्ला ने कहा, मंदिर के पुजारी और भक्तों ने आज सुबह फोन किया और मुझे हमारे मंदिर की बाउंड्री में तोड़-फोड़ के बारे में जानकारी दी।

सारा गेट्स, जो हिंदू मानवाधिकार की निदेशक हैं, ने द ऑस्ट्रेलिया टुडे से कहा, यह नया घृणा अपराध विश्व स्तर पर सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का एक पैटर्न है, जो स्पष्ट रूप से ऑस्ट्रेलियाई हिंदुओं को आतंकित करने का प्रयास कर रहा है। जनवरी में, ऑस्ट्रेलिया के कैरम डाउन्स में श्री शिव विष्णु मंदिर को हिंदू विरोधी भित्तिचित्रों के साथ तोड़ दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया के तमिल हिंदू समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले तीन दिवसीय थाई पोंगल त्योहार के बीच मंदिर में भक्तों के दर्शन के लिए आने के बाद 16 जनवरी को यह मामला सामने आया। द ऑस्ट्रेलिया टुडे के अनुसार, खालिस्तान समर्थकों ने मेलबर्न में 15 जनवरी, 2023 की शाम को एक कार रैली के जरिए अपने जनमत संग्रह के लिए समर्थन हासिल करने की कोशिश की। हालांकि, वे बुरी तरह विफल रहे, क्योंकि रैली में 200 से भी कम लोग इकट्ठे हुए। इस घटना से एक सप्ताह पहले, 12 जनवरी को, ऑस्ट्रेलिया के मिल पार्क में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी और हिंदू विरोधी भित्तिचित्रों से भर दिया गया था। द ऑस्ट्रेलिया टुडे ने बताया कि मिल पार्क के उपनगर में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे हुए थे और मंदिर में तोड़फोड़ की गई थी। मेलबर्न के इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस मंदिर के प्रबंधन को हरे कृष्ण मंदिर के रूप में भी जाना जाता है। मंदिर की दीवारों को भारत विरोधी भित्तिचित्रों के साथ तोड़ दिया गया। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, विक्टोरियन मल्टीफेथ नेताओं की विक्टोरियन मल्टीकल्चरल कमीशन के साथ एक आपातकालीन बैठक आयोजित करने के दो दिन बाद इस्कॉन मंदिर पर हमला किया गया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की निंदा की और कहा कि इस मामले को कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ उठाया गया है और अपराधियों के खिलाफ शीघ्र जांच के लिए कहा गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने आश्वासन दिया, ऑस्ट्रेलिया में हमारे महावाणिज्य दूतावास ने स्थानीय पुलिस के साथ मामले को उठाया है। हमने अपराधियों के खिलाफ त्वरित जांच कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों का अनुरोध किया है।

दुनिया के सबसे खतरनाक हिप्पो आएंगे भारत, कोलंबिया में मचा रखा है आतंक!

बोगोटा, एजेंसी।
कोलंबिया कुख्यात मादक तस्कर पाब्लो एस्कोबार के पशु फार्म के पास रहने वाले कम से कम 70 दरियाई घोड़ों को भारत और मैक्सिको भेजने की योजना बना रहा है। गुजरात (भारत) के जामनगर स्थित ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलेशन किंगडम में 60 दरियाई घोड़ों को भेजा जाएगा। इसके लिए दरियाई घोड़ों को पकड़ने से जुड़े अभियान, उन्हें ढोने वाले लोहे के कंटेनर और विमान के जरिये भारत भेजने का पूरा खर्च कोलंबिया सरकार उठाएगी।

कोलंबिया सरकार ने दरियाई घोड़ों की आबादी पर लगाम लगाने के मकसद से यह फैसला लिया है। पाब्लो एस्कोबार कोलंबिया का वैश्विक स्तर पर कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर था, जिसे पुलिस ने 1993 में एक मुठभेड़ में मार गिराया था। उसने 1980 के दशक में अफ्रीका से अवैध रूप से चार दरियाई घोड़े मंगवाए थे, जिसके बाद से क्षेत्र में दरियाई घोड़ों की संख्या काफी बढ़ चुकी है। पिछले कुछ सालों में इन दरियाई घोड़ों की आबादी बोगोटा से 200 किलोमीटर (124 मील) की दूरी पर मैग्डेलेना नदी के किनारे स्थित पशु फार्म 'हैसिएंडा नेपोल्स रैंच से कहीं आगे तक फैल गई है।

एंटिओक्विया प्रांत में स्थित इस क्षेत्र में अभी लगभग 130 दरियाई घोड़े हैं और अगले आठ वर्षों में उनकी संख्या बढ़कर 400 तक हो सकती है। एस्कोबार का 'हैसिएंडा नेपोल्स रैंच और क्षेत्र में मौजूद दरियाई घोड़े 1993 के बाद से पर्यटकों के बीच आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। एस्कोबार की मौत के बाद जब यह पशु फार्म वीरान हो गया, तब वहां स्थानीय नदियों में अनुकूल मौसम परिस्थितियों में दरियाई घोड़ों के प्रजनन को बल मिला, जिससे उनकी संख्या तेजी से बढ़ गई। वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि कोलंबिया में दरियाई घोड़ों का कोई प्राकृतिक शिकारी नहीं है और ये जीव जैव विविधता के लिए एक संभावित खतरा हैं, क्योंकि उनका मल नदियों की संरचना को बदल देता है और यह मैनाटी और कैपीबारा जैसे जीवों के प्राकृतिक आवास को प्रभावित कर सकता है।

कोलंबिया सरकार ने दरियाई घोड़ों को पिछले साल एक जहरीली आक्रामक प्रजाति घोषित किया था। एंटिओक्विया के पर्यावरण मंत्रालय में पशु संरक्षण एवं कल्याण विभाग की निदेशक लीना मार्सेला डि लॉस रॉस मोरैल्स ने बताया कि दरियाई घोड़ों को भारत और मेक्सिको भेजने की योजना पर एक साल से अधिक समय से काम किया जा रहा है। मोरैल्स के मुताबिक, दरियाई घोड़ों को खाने का लालच दिखाकर लोहे के बड़े कंटेनर में कैद किया जाएगा और फिर ट्रक के जरिये 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रियोनिग्रो शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया जाएगा। मोरैल्स ने बताया कि रियोनिग्रो से उन्हें विमान के जरिये भारत और मेक्सिको भेजा जाएगा, जहां दरियाई घोड़ों को ठिकाना देने, उनकी देखभाल करने और आबादी नियंत्रित रखने में सक्षम अभयारण्य और चिड़ियाघर मौजूद हैं।

पाक विदेश मंत्री बोले- हम कंगाल नहीं हैं, न होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। कंगाली की कगार पर खड़े पाकिस्तान को चीन एक बार फिर 1.3 अरब डॉलर का कर्ज दे रहा है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। डार ने कहा- इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना ने ये लोन अप्रूव किया है, जिससे पाकिस्तान को अपने घटते विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने में मदद मिलेगी। ये पैसे 3 किश्तों में दिए जाएंगे। इसमें से 0.5 अरब डॉर की पहली किश्त पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक में आ चुकी है। डार ने कहा- हम न कभी कंगाल हुए हैं और न होंगे। हमने चीन का कर्ज चुकाने के लिए उन्हें 1.3 अरब डॉलर लौटाए थे। चीन हमारी आर्थिक स्थिति को देखते हुए ये पैसे हमें वापस दे रहा है। पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक में सिर्फ 3 हफ्ते के इम्पोर्ट के लिए ही विदेशी मुद्रा भंडार बचा है। इससे पहले भी चीन विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने के लिए हमें 0.7 अरब डॉलर का कर्ज दे चुका है। डार ने बताया कि पाकिस्तान को जून में खत्म होने वाले वित्त वर्ष में अपने फाइनेंशियल गैप को खत्म करने के लिए 5 अरब डॉलर की विदेशी फंडिंग की जरूरत है। आइएमएफ के साथ डील साइन होने के बाद ही उसे और फंडिंग मिल पाएगी। डार के मुताबिक ये डील अगले हफ्ते तक साइन होने की उम्मीद है। पाकिस्तान पिछले महीने की शुरुआत से ही आइएमएफ के साथ कर्ज को लेकर चर्चा कर रहा है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने की घोषणा

मऊगंज बना प्रदेश का 53वां जिला

रीवा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रीवा के मऊगंज में मऊगंज को प्रदेश का 53वां जिला बनाने की घोषणा की। मऊगंज जिले में हनुमाना, नईगढ़ी, मऊगंज व देवतालाब तहसील होंगी। मऊगंज जिले में मऊगंज व देवतालाब विधानसभा सीटें होंगी। 15 अगस्त से प्रक्रिया शुरू होगी। अब सतना जिला रीवा संभाग का सबसे बड़ा जिला हुआ। विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, राजेन्द्र शुक्ला के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्थानीय विधायक प्रदीप पटेल ने स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल में मंच पर मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि संबल योजना के इस कार्यक्रम से मऊगंज से पूरा प्रदेश जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना गरीब मजदूरों के लिए बनाई गई थी। मंच पर से शिवराज सिंह चौहान ने कमलनाथ को लिया आड़े हाथों, उन्होंने कहा कि हमने गरीबों के लिए संबल योजना बनाई और आपने यह योजना क्यों बंद की इसका जवाब आपको देना चाहिए मैं बताना चाहता हूं कि मैंने पुनः संबल योजना चालू की है। उद्बोधन के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना की ब्रांडिंग करते नजर आए। मुख्यमंत्री यहां आयोजित समारोह में वर्चुअल माध्यम से सिंगल क्लिक से संबल योजना के 27000 हितग्राहियों के बैंक खाते में 605 करोड़ रुपये अनुग्रह सहायता राशि भेजी। मुख्यमंत्री अनुग्रह सहायता के रूप में तीन हजार 509 निर्माण श्रमिकों के परिवारों को 75 करोड़ रुपये तथा संबल योजना से 23 हजार 801 प्रकरणों में 530 करोड़ रुपये की राशि का वितरण किया। इसके साथ-साथ विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास भी किया। वहीं मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना एवं मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की अनुग्रह सहायता योजना के हितग्राहियों को मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किए गए जाने वाले हितलाभ वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मानस भवन प्रेक्षागृह में किया जा रहा है।

होली त्यौहार को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

रीवा। रीवा होली त्यौहार को लेकर जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था बनाई गई है रविवार की शाम पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस निरीक्षक नवनीत भसीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर नगर पुलिस अधीक्षक शिवानी चतुर्वेदी कोतवाली प्रभारी आदित्य प्रताप सिंह सिविल लाइंस हितेंद्र शर्मा समान टीआई सुनील गुप्ता चौराहा थाना प्रभारी विश्वविद्यालय थाना प्रभारी एवं सैकड़ों पुलिसकर्मी को कप्तान द्वारा आदेशित किया गया कि शहर के अंदर होली त्यौहार में अमन और चैन शांति बनाए रखें और शांतिपूर्ण ढंग से त्यौहार मनाया और अपने घर पर सपरिवार के साथ होली की खुशियां बांटे पुलिस कंट्रोल रूम से शहर शहर के समस्त चौराहों एवं गली मोहल्लों पर पुलिस की फ्लैग मार्च निकाली गई और सख्त आदेश किया गया है कि सड़क पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले एवं उपयोग करने वाले के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

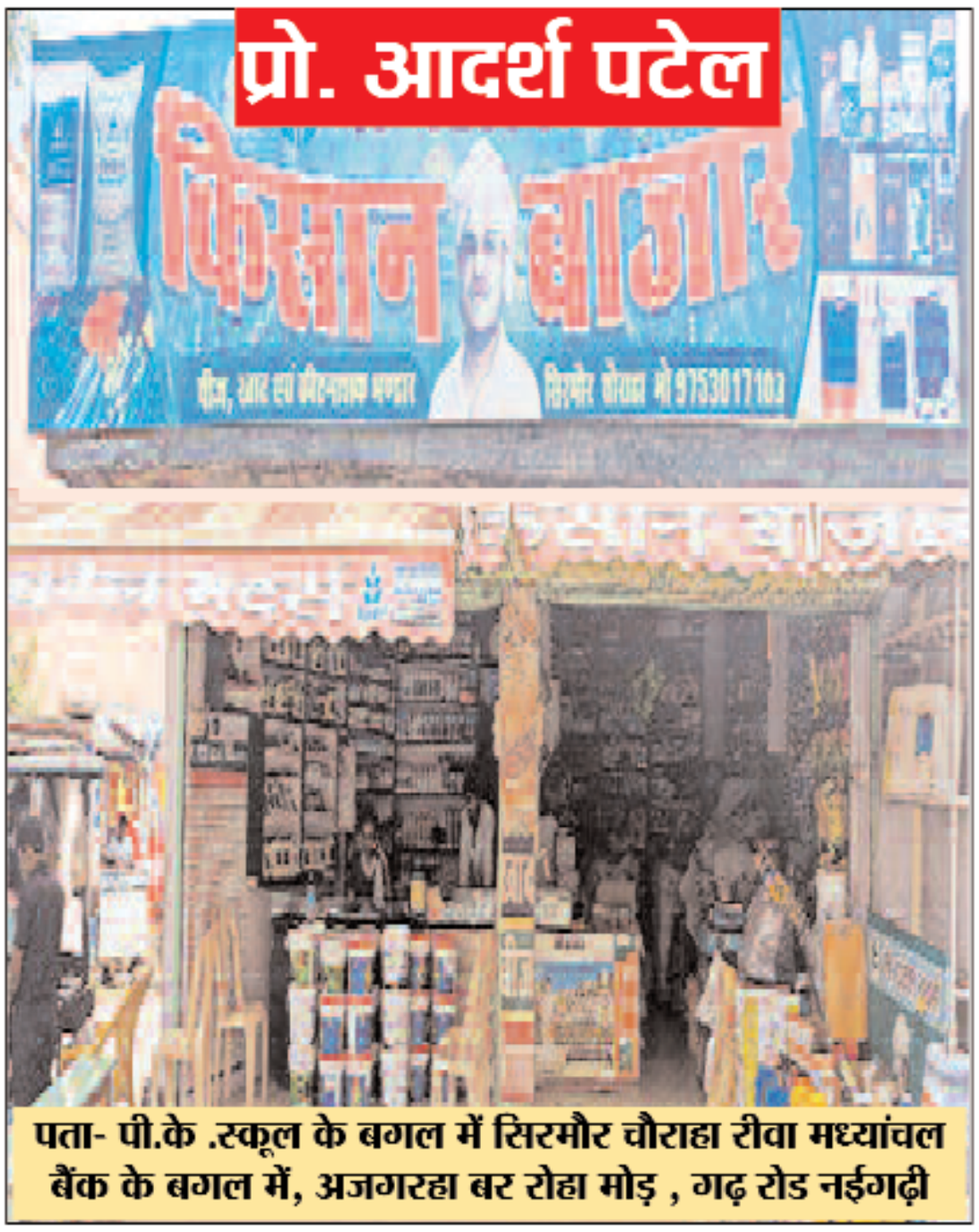

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक हरिनाथ पटेल द्वारा रघु पिंटिंग प्रेस, नियर पुष्कर गैस गोदाम, नेहरू नगर, रीवा म.प्र. से मुद्रित एवं वार्ड नं. 15, रतहरा जिला रीवा म.प्र. से प्रकाशित।
संपादक- हरिनाथ पटेल, उप संपादक उषा पटेल(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।) मो. 9424933585 Email-misirgawannews@gmail.com